दैनिक

इंटीग्रेटेड ट्रेड

वर्ष-5 अंक-106, भोपाल शनिवार 26 फरवरी 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

सुविचार

सच्चाई और अच्छाई की तलाश में पूरी दुनिया घूम लो, अगर वह खुद के अंदर नही है, तो फिर वह आपको कहीं नही मिल सकती।" - अज्ञात

दिल्ली में अगले सप्ताह से सामान्य रूप से खुलेंगे बाजार,

नई दिल्ली। कोरोना के मामलों में तेजी से कमी आने के बाद राजधानी दिल्ली में नाइट कर्फ्यू समेत तमाम प्रतिबंधों को खत्म कर दिया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक में शहर में फैसला हुआ है कि कोरोना के सभी प्रतिबंधों को हटा दिया जाएगा, बशर्ते कोरोना वायरस संक्रमण की सकारात्मकता 1 प्रतिशत से कम हो। नाइट कर्फ्यू को भी सोमवार से हटा लिया जाएगा। इसके साथ सोमवार से बाजार सामान्य रूप से खुल सकेंगे। इतना ही नहीं सिनेमा हाल, रेस्तरां और बार भी पूर्व की तरह 100 प्रतिशत क्षमता के साथ खुलेंगे। एक-दो दिन में इस बाबत दिल्ली सरकार की ओर से आदेश जारी हो सकता है। इसका इशारा शुक्रवार को दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक में शामिल होने के बाद सीएम अरविंद केजरीवाल ने किया। उपराज्यपाल अनिल बैजल की अध्यक्षता में हुई डीडीएमए की बैठक में अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अब कोरोना नियंत्रण में है।

प्रयागराज में अमित शाह बोले- जाति व धर्म के आधार पर राजनीति करने वाले नहीं कर सकते किसी का भला

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव 2022 में पांचवें चरण के मतदान वाले क्षेत्रों में प्रचार के अंतिम दिन शुक्रवार को भाजपा के स्टार प्रचारक अमित शाह ने संगमनगरी प्रयागराज में जनता को धर्म तथा जाति के आधा पर राजनीति करने वालों से सचेत किया। सोरांव के साथ कौशांबी के सिराथू में अमित शाह ने लोगों से एक बार फिर भाजपा के पक्ष में मतदान का आग्रह किया।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोरांव की सभा में कहा कि यूपी में फिर से एक बार 300 पार वाली एनडीए की सरकार बनने जा रही है। विपक्ष में हताशा है। कोरोना की वैसीन की खिल्ली उड़ाने वाले अखिलेश दस दिन बाद अंधेरे में खुद टीका लगवा आए। ये तो अच्छा है कि आप लोग अखिलेश की बात नहीं सुनते वरना तीसरी लहर में कोई बचता या। तीसरी लहर इसलिए काम नहीं कर पाई योंकि मोदी जी की सरकार ने देश की जनता को कोरोना का मुत टीका मुहैया कराया। भाजपा का विरोध करने वालों की आंख पर एक चश्मा लगा है। उसमें दो ग्लास है। अखिलेश के चश्मे के एक ग्लास से एक ही जाति दिखाई देती हैं जिसमें आप और हम नहीं है। दूसरे ग्लास दूसरा एक धर्म दिखाई पड़ता है उसमें भी आप और हम हैं नहीं। यदि उनकी

सरकार बनी तो आपका भला होगा या। उन्होंने कहा कि धर्म तथा जाति के आधार पर राजनीति करने वाले दल किसी का भी भला नहीं कर सकते हैं। ये जाति और धर्म के आधार पर प्रदेश तथा देश की राजनीति करने वाले गरीब और पिछड़ों का भला नहीं कर सकते। गरीब और पिछड़े समाज का भला पीएम मोदी के नेतृत्व में केवल भाजपा कर सकती है। उन्होंने कहा कि ये लोग जो भाजपा का विरोध कर रहे हैं, उनकी आंख पर एक चश्मा लगा है। उसमें दो ग्लास हैं, अखिलेश जी के चश्मे के एक ग्लास से सिर्फ एक ही जाति दिखाई पड़ती है, जिसमें मैं और आप नहीं हैं। और दूसरे ग्लास से दूसरा धर्म दिखाई पड़ता है, जिसमें मैं और आप नहीं हैं।

शाह ने कहा कि पिछड़ों और गरीबों की सही हितैषी भाजपा सरकार है। 70 साल तक कांग्रेस, सपा और बसपा ने इस प्रदेश पर शासन किया लेकिन गरीबों को शौचालय की सुविधा नहीं मिली। योगी सरकार के आते ही शौचालय की सुविधा मिली और भरपूर बिजली आपूर्ति हो रही है। 42 लाख से अधिक आवास, 15 करोड़ को दो वर्ष से मुत अनाज मिल रहा है। कोरोना काल में गरीबों के घर का चूल्हा जले इसकी चिंता प्रधानमंत्री ने की। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के 1.67 करोड़ घरों में गैस का सिलेंडर पहुंचाने का काम किया है। अब आप इस बार फिर भाजपा की सरकार बना दो, तो फिर योगी आदित्यनाथ की सरकार आप लोगों को होली तथा दीपावली पर एक-एक गैस सिलेंडर आपको मुत में देने वाली है।

यूक्रेन रूस के साथ बातचीत के लिए तैयार, चेर्नोबिल न्यूक्लियर पावर प्लांट में रेडिएशन बढ़ा

कीव की ओर तेजी से बढ़ रही रूसी सेना

मास्को, एजेंसी। रूस ने लगातार दूसरे दिन भी यूक्रेन पर अक्रामक हमले जारी रखे हैं। अपने बचाव में यूक्रेन भी रूस पर हमले कर रहा है। रूसी सेना उत्तर पूर्व और पूर्व की ओर यूक्रेन की राजधानी कीव की ओर बढ़ रही है। यह जानकारी समाचार एजेंसी एएफपी ने दी है। वहीं, यूक्रेन शांति चाहता है और रूस के साथ बातचीत के लिए तैयार है, जिसमें नाटो के संबंध में तटस्थ स्थिति भी शामिल हैं। यह बात यूक्रेनी राष्ट्रपति के सलाहकार मायखाइलो पोडोलीक ने शुक्रवार को समाचार एजेंसी रायटर को बताई है। उन्होंने एक टेस्ट संदेश के माध्यम से कहा कि यदि बातचीत संभव है, तो उन्हें आयोजित किया जाना चाहिए। इसके जवाब में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि यूक्रेन की सेना की लड़ाई बंद होने के बाद हम बातचीत के लिए तैयार हैं। यूक्रेन के चेर्नोबिल न्यूलियर पावर प्लांट के पास गुरुवार रात रूसी सेना ने हमले किए। यहां कई धमाके भी हुए। इसके चलते इस एटमी प्लांट में रेडिएशन लेवल बढ़ गया है। यूक्रेन की न्यूलियर एजेंसी ने इसकी पुष्टि की है। इस इलाके में रहने वाले हजारों लोगों को रेडिएशन लेवल बढ़ने से जान का खतरा पैदा हो गया। उन्हें सेहत संबंधी दिक्कतें भी हो सकती हैं। इस बीच यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने नागरिकों से कहा है कि वे रूसी सेना के मूवमेंट के बारे में जानकारी देते रहें।

दुनियाभर में यूक्रेन पर हमले का विरोध

यूक्रेन पर रूसी हमले का आज दूसरा दिन है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के यूक्रेन पर हमले के फैसले की दुनिया भर में निंदा हो रही है। अमेरिका, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, हंगरी, फ्रांस, जापान, स्विटजरलैंड में लोग रूसी हमले के खिलाफ प्रोटेस्ट कर रहे हैं। वहीं, पुतिन के खिलाफ उनके अपने देश में भी लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। रूस की बड़ी हस्तियों, पत्रकारों का कहना है कि इस युद्ध की शुरुआत कर रूस ने खुद को दुनिया से अलग-थलग कर लिया है। इधर, यूक्रेन में फंसे भारतीयों ने भी सरकार से मदद की गुहार लगाई है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह प्रोटेस्ट गुरुवार से ही शुरू हो गया है. ऐसे लोगों की संख्या बहुत है जो इस हमले को सही नहीं बता रहे हैं. ऐसे लोग सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतर रहे हैं. रूस की राजधानी मॉस्को समेत 53 अन्य शहरों में लोग सड़कों पर उतरकर इस कार्रवाई की निंदा कर रहे हैं.

यूक्रेन के अलगाववादियों ने क्षेत्र का विस्तार करने की योजना बनाई

रूसी समर्थित अलगाववादी नेताओं को उम्मीद है कि उनके सैनिक बहुत जल्द यूक्रेन के डोनेट्स्क और लुहान्स्क क्षेत्रों की सीमाओं की ओर बढ़ेंगे। रूसी समाचार एजेंसियों ने शुक्रवार को अलगाववादी नेताओं के हवाले से ये जानकारी दी है। अलगाववादियों जिनकी स्वतंत्रता मास्को ने यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण शुरू करने से पहले इस सप्ताह मान्यता दी थी। वर्तमान में उन प्रांतों के केवल कुछ हिस्सों को नियंत्रित करते हैं।

भारतीयों को निकालने के लिए कोशिशें जारी

यूक्रेन में भारतीय दूतावास अभी भी काम कर रहा है। यूक्रेन में फंसे भारतीयों को निकालने की कोशिशें की जा रही हैं। दूतावास ने यूक्रेन में सभी भारतीयों के लिए एक एडवाइजरी जारी की है। समाचार एजेंसी एएनआइ की रिपोर्ट के मुताबिक भारत सरकार हंगरी और रोमानिया के रास्ते निकासी मार्ग स्थापित करने के लिए काम कर रही है। रूस ने ब्रिटेन पर पलटवार करते हुए ब्रिटिश एयरलाइंस को अपने हवाई अड्डों पर उतरने और अपने एयर स्पेस में उड़ने पर पाबंदी लगा दी है। एयरोफ्लोट पर ब्रिटेन के प्रतिबंध के जवाब में रूस के नागर विमानन प्राधिकरण ने रूसी हवाई क्षेत्र में ब्रिटेन की उड़ानों पर प्रतिबंध लगाया है।

150 से अधिक यूक्रेनी सैनिकों ने किया सरेंडर

रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि अब तक यूक्रेनी सेना के 18 टैंक, 7 राकेट सिस्टम और 41 मोटर वाहन तबाह कर दिए गए हैं। साथ ही 150 से अधिक यूक्रेनी सैनिकों ने सरेंडर कर दिया है। मंत्रालय ने पुष्टि की है कि यूक्रेन के चर्नोबिल न्यूक्लियर पावर प्लांट पर रूस का कब्जा हो गया है।

जेलेंस्की ने जताई आशंका अगले 96 घंटे में कीव पर रूस को हो जाएगा कब्जा

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने दावा किया है कि रूसी सेना राजधानी में दाखिल हो गई है। रूसी टैंक यहां से सिर्फ 32 किमी दूर हैं। इन्हें रोकने के लिए यूक्रेनी सेना ने तीन पुल उड़ा दिए हैं। जेलेंस्की ने आशंका जताई है कि अगले 96 घंटे, यानी 4 दिन में कीव पर रूस का कब्जा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि रूसी सेनाएं रिहाइशी इलाकों को टारगेट कर रही हैं। उन्होंने रूसी नागरिकों से अपील की है कि वे इस जंग के खिलाफ प्रदर्शन करें।

पुलिस निपटने को तैयार

वहीं प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए रूस की पुलिस भी तैयार है. लोकल मीडिया रिपोर्ट की मानें तो इस तरह प्रदर्शन करने वाले करीब 1700 लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है.

दूसरे देशों में भी हो रहे प्रदर्शन

बता दें कि रूस ने यूक्रेन पर गुरुवार को हमला कर दिया था. इस हमले की खबर जैसे ही दुनियाभर में फैली, वैसे ही कई देशों में इसके खिलाफ प्रदर्शन होने लगे. लोग बैनर और पोस्टर लेकर सड़कों पर उतर रहे हैं और रूस की इस कार्रवाई की निंदा कर रहे हैं.

रूस के विदेश मंत्री बोले- यूक्रेन सरेंडर करे तो बातचीत मुमकिन

यूक्रेन पर रूस के हमले शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन जारी हैं। राजधानी कीव में सुबह 7 बड़े धमाके हुए। लोग रातभर घरों, सबवे और अंडरग्राउंड शेल्टर में छिपे रहे। खाने-पीने से लेकर रोजाना की जरूरत की चीजों की कमी हो रही है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने जंग खत्म होने की उेमीदें भी खारिज कर दी हैं। न्यूयॉर्क टाइस से बातचीत में लावरोव ने कहा- हमें अब यूक्रेन से बातचीत का ऑफर कबूल नहीं है। बातचीत सिर्फ एक शर्त पर हो सकती है कि यूक्रेन सरेंडर कर दे। उनके राष्ट्रपति अब तक सिर्फ झूठ बोलते आए हैं।

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने की युद्ध के खिलाफ प्रदर्शन करने की अपील

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोल्दोमिर जेलेंस्की ने दावा किया है कि रूसी सेना राजधानी में दाखिल हो गई है। रूसी टैंक कीव से महज 32 किमी दूर हैं। इन्हें रोकने के लिए यूक्रेनी सेना ने तीन पुल उड़ा दिए हैं। जेलेंस्की ने आशंका जताई है कि 96 घंटे यानी 4 दिन में कीव पर रूस का कब्जा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि रूसी सेनाएं रिहाइशी इलाकों को टारगेट कर रही हैं।

भारत में बने साजो-सामान से जवानों का आत्मविश्वास नई ऊंचाई पर, सैनिकों की भावनाओं का करें आदर: पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को बजट के बाद के वेबिनार डिफेंस-कॉल टू एशन में उद्घाटन भाषण दिया। मोदी ने कहा कि बीते कुछ वर्षों से भारत अपने रक्षा क्षेत्र में जिस आत्मनिर्भरता पर बल दे रहा है। उसका कमिटमेंट आपको इस वर्ष के बजट में भी दिखेगा। उन्होंने कहा कि गुलामी के कालखंड में भी और आजादी के तुरंत बाद भी हमारी डिफेंस मैन्यूफेक्चरिंग की ताकत बहुत थी। दूसरे विश्व युद्ध में भारत में बने हथियारों ने बड़ी भूमिका निभाई। हांलाकि बाद के वर्षों में हमारी ताकत कमजोर होती

गई। पीएम ने कहा कि इस साल के बजट में देश के भीतर ही रिसर्च, डिजाइन और डवलपमेंट से लेकर मैन्युफेक्चरिंग तक का एक वाइब्रेंट इकोसिस्टम विकसित करने का ब्लूप्रिंट है। रक्षा बजट में लगभग 70 प्रतिशत सिर्फ domestic industry के लिए रखा गया है। जब हम बाहर से अस्त्र-शस्त्र लाते हैं, तो उसकी प्रक्रिया इतनी लंबी होती है कि जब वो हमारे सुरक्षाबलों तक पहुंचते हैं, तब तक उसमें से कई पुराने हो चुके होते हैं। इसका समाधान भी आत्मनिर्भर भारत अभियान और मेक इन इंडिया में ही है। आज हमारी फौज के पास भारत में बने साजो-सामान होते हैं तो उनका आत्मविश्वास, उनका गर्व भी नई ऊंचाई पर पहुंचता है। इसमें हमें सीमा पर डटे जवानों की भावनाओं को भी समझना चाहिए। भारत में बनी चीजों को लेकर सैनिकों में अलग स्वाभिमान होता है।

यूक्रेन संकट पर सरकार की सतत नजर: गृह मंत्री डा. नरोत्तम मिश्रा

जबलपुर। यूक्रेन संकट पर सरकार की सतत नजर है। वहां रह रहे प्रदेश के लोगों से संपर्क किया जा रहा है। जल्द ही विशष विमान यूक्रेन भेजा जाएगा, वहां से जो लोग वापस आना चाहेंगे सरकार उनको लेकर आएगी। यह कहना है प्रदेश के गृह एवं जेल मंत्री डा. नरोत्तम मिश्रा का। नरोत्तम मिश्रा ने कमल नाथ पर तंज कसते हुए कहा कि जहां इंजन को बदलने की जरूरत है वहां डिब्बा बदला जा रहा है। प्रदेश के गृह एवं जेल मंत्री शुक्रवार को नगर प्रवास पर रहे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बात

करते हुए कहा कि यूक्रेन में चल रहे संकट पर सीएम स्वयं भी नजर रख रहे हैं। इस मामले में केबिनेट की बैठक भी हो चुकी है। वहां फंसे लोगों को लाने के लिए जल्दी ही राज्य सरकार एक विमान यूक्रेन भेजेगी।

कांग्रेस इन दिनों जिला अध्यक्षों को बदलने में लगी है, इस विषय पर नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि जहां इंजन को बदलने की जरूरत है वहां डिब्बों को बदला जा रहा है। कांग्रेस ने रोजगार दिवस पर रोजगार मेला लगाए जाने पर कटाक्ष किया था कि सरकार आंकड़ों की बाजीगरी में लगी है। रोजगार उद्योग लगाने से आएगा न कि मेला लगाने से। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए गृहमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने यही बता दे कि कमल नाथ सरकार ने 15 महीने के दौरान कितने बेरोजगारों को सरकारी नौकरी दी थी। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस ने घर चलो घर-घर चलो अभियान चलाया, पिछले महीने सभी घर बैठ गए।

कार्टून

अंबिकापुर, कवर्धा के कई गांवों में बारिश के साथ गिरे ओले

अब जिला प्रशासन लेगा नुकसान का जायजा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आने वाले 5 दिनों तक मौसम साफ रहने की उेमीद मौसम विभाग ने जताई है। मगर गुरुवार की शाम से बदला मौसम रात तक किसानों के लिए मुसीबत बन गया।

अंबिकापुर, कवर्धा, बलरामपुर, सूरजपुर के कुछ हिस्सों में ओले गिरे हैं। इसकी वजह से फसलों के नुकसान की भी खबर है। जिन जिलों में ओलावृष्टि हुई है, अब जिला प्रशासन वहां नुकसान का मुआयना कर रहा है। सूरजपुर के चांदनी-बिहारपुर के अलावा खैरा, कोलुआ, जैसे हिस्सों में शाम के वक्त अचानक तेज आंधी तूफान शुरू हो गए और कुछ देर बाद बारिश

होने लगी। किसानों की चिंता फसलों को लेकर तब बढ़ गई जब आसमान से ओले आफत बनकर बरसे, बहुत से हिस्सों में खेतों में बर्फ की सफेद चादर नजर आई। मौसम विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक बलरामपुर जिले के देवरी विकासखंड के प्रतापपुर में भी इसी तरह ओलावृष्टि हुई है। इसके अलावा अंबिकापुर के देवरी में भी आसमान से सफेद आफत बनकर ओले बरसे हैं। कवर्धा में भी इसी तरह ओले गिरे हैं। इससे स्थानीय किसानों की फसलों और पेड़ों को नुकसान हुआ है।

इस वजह से गिरे ओले

चक्रीय चक्रवाती घेरा दक्षिण-पश्चिम राजस्थान के ऊपर 1.5 किलोमीटर ऊंचाई तक फैला था। अरब सागर से आने वाले पश्चिमी हवाओं और बंगाल की खाड़ी से आने वाले गर्म और नमी वाली दक्षिणी हवाओं के मिलने की जगह पूर्वी मध्य प्रदेश में बनी। इस वजह से प्रदेश में एक-दो स्थानों पर हल्की बारिश का अंदेशा मौसम विभाग ने जताया था। इसी वजह से शाम होते-होते मौसम बदला और ओले गिरे।

5 दिन ऐसा रहेगा मौसम

प्रदेश में 25 फरवरी से लेकर 1 मार्च तक मौसम में कोई खास बदलाव का अंदेशा नहीं जताया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक तापमान में भी कोई बड़ा बदलाव आने की उेमीद नहीं है। छत्तीसगढ़ के कुछ प्रमुख शहरों के तापमान में भी करीब एक सप्ताह तक कोई बदलाव नहीं आएगा, न गर्मी बढ़ेगी न ही ठंड। रायपुर में 25 फरवरी को न्यूनतम तापमान 21.0 और अधिकतम तापमान 33.0 डिग्री सेल्सियस रहा है, बाकि के जिलों में अंबिकापुर में न्यूनतम तापमान 15.0 और अधिकतम तापमान 29.0 डिग्री है, बिलासपुर में न्यूनतम तापमान 19.0 और अधिकतम तापमान 34.0 है। 26 फरवरी को बिलासपुर के कुछ जगहों पर बारिश होने के आसार हैं। बस्तर के जगदलपुर में 25 फरवरी को तापमान न्यूनतम 17.0 और अधिकतम 35.0 है। दुर्ग का तापमान 18.0 न्यूनतम और अधिकतम 32.0 डिग्री सेल्सियस पर है।

न्यूज़ ब्रीफ

सिंघाड़ा खेती करने वालों को मिलेगा अनुदान

भोपाल । प्रदेश में सिंघाड़ा खेती करने वाले उद्यानिकी किसानों को आर्थिक सहायता के तौर पर अनुदान दिया जायेगा। जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिये जैविक खेती करने वाले किसनों से सुझाव लिये जायेंगे। उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह ने मंत्रालय में आयोजित बैठक में यह निर्णय लिये। अपर मुख्य सचिव उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण श्री जे.एन. कंसोटिया, आयुक्त उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण श्री ई. रमेश कुमार और एम.डी. एम.पी. एग्रो श्री राजीव कुमार जैन उपस्थित थे। राज्य मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि संभागीय किसान कार्यशाला में किसानों से प्राप्त सुझावों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लिये गये हैं। उन्होंने कहा कि उद्यानिकी क्षेत्र को विस्तार देने और किसानों के अनुकूल विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिये जिला स्तर पर जिला बागवानी सलाहकार समितियाँ गठित की जायेंगी। समितियों में संबंधित जिले के किसान सदस्य रहेंगे। राज्य मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि जैविक उद्यानिकी खेती को बढ़ावा देने के लिये किसानों के सुझाव के आधार पर कार्यक्रम तय किया जायेगा। किसानों से सुझाव प्राप्त करने अगले माह जैविक कृषक सम्मेलन आयोजित करेंगे। सम्मेलन में प्रदेश के सभी जिले से जैविक खेती करने वाले उद्यानिकी कृषकों को आमंत्रित किया जायेगा। उद्यानिकी किसानों को उनकी माँग और आवश्यकता के अनुरूप उद्यानिकी फसलों के भंडारण के लिये पैक-हाउस, प्याज भंडार-गृह, कोल्ड-स्टोरेज निर्माण का जिलों को लक्ष्य दिया जायेगा। राज्य मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि उद्यानिकी किसानों की माँग के अनुसार उन्नत किस्म के बीज और पौधे विभाग उपलब्ध करवायेगा। उन्होंने कहा कि किसानों की माँग के अनुरूप विशेष रूप से अमरूद की वीएनआर वर्फ खाना, पिंक ताईवान आदि किस्मों के पौधे विभाग द्वारा उद्यानिकी किसानों को उपलब्ध करवाये जायेंगे। राज्य मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि पॉली-हाउस और शेडनेट योजना में किसानों को अनुदान की राशि डीबीटी के माध्यम से किस्तों में देने का निर्णय लिया गया है। राज्य मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि औषधीय फसलों के बीज पर अनुदान, एक जिला-एक उत्पाद में बैंक स्तर पर लंबित प्रकरणों के निराकरण, बीज, खाद, दवाई का गुणवत्तापूर्ण परीक्षण सहित किसानों द्वारा दिये गये अन्य सुझावों को भी अमल में लाने के लिये निर्णय लिया गया।

भोपाल में पड़ोसी ने महिला से किया रेप

नहाते समय महिला का न्यूड वीडियो बनाया, ब्लैकमेलिंग कर 5 माह तक किया दैहिक शोषण, गिरफ्तार

भोपाल

भोपाल के अशोका गार्डन इलाके में तीन बच्चों की मां से रेप का मामला सामने आया है। महिला ने पुलिस को बताया कि पड़ोस में रहने वाले युवक ने नहाते समय उसका अश्लील वीडियो बना लिया। वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड करने की धमकी देते हुए उसके साथ रेप किया। वह पांच माह से उसका दैहिक शोषण कर रहा था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

थाना प्रभारी आलोक श्रीवास्तव ने बताया इलाके में रहने वाली 27 साल की महिला ग्रहणी है। उसका पति प्राइवेट काम करता है। महिला के 3 बच्चे हैं। महिला ने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि अगस्त 2021 में पड़ोस में रहने वाले परिचित फैसल ने नहाते समय उसका मोबाइल से वीडियो बना लिया था। उक्त वीडियो महिला को दिखा कर वह ब्लैकमेल करने लगा। उसने धमकी दी कि यदि उसकी बात नहीं मानी तो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर बदनाम कर देगा। महिला आरोपी की धमकी से डर गई। आरोपी उसके साथ गलत काम करने लगा। बुधवार को महिला ने घटना की जानकारी अपने पति को दी। इसके बाद दंपती थाने पहुंचे आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

बाथरूम में मोबाइल रखकर बनाया VIDEO

बताया गया कि महिला और आरोपी अशोका गार्डन इलाके में एक मकान में किराए का रूम लेकर रह रहे थे। दोनों का बाथरूम एक था। इसी बीच आरोपी ने चुपके से बाथरूम में मोबाइल का कैमरा चालू कर रख दिया। इसमें महिला नहाते हुए कैद हो गई। इसके बाद आरोपी उसे ब्लैकमेल करने लगा। वीडियो बनाने के बाद आरोपी रूम छोड़कर निशातपुरा में रहने चला गया। आरोपी भी निजी काम करता है।

सरकारी अस्पतालों में घटाए जाएंगे कोविड के लिए रिजर्व बेड

दूसरी बीमारियों के मरीजों को मिलेगा आसानी से इलाज, हेल्थ डायरेक्टर ने जारी किया आदेश

कोरोना की तीसरी लहर खत्म होने के बाद अब आम मरीजों को अस्पतालों में आसानी से इलाज मिल सकेगा। प्रदेश भर के सरकारी अस्पतालों में कोरोना मरीजों के लिए रिजर्व किए गए बिस्तरों को अब घटाकर आम मरीजों के लिए तैयार किया जाएगा। मप्र के हेल्थ डायरेक्टर ने सभी कलेक्टर्सए, सीएमएचओ, सिविल सर्जन को पत्र लिखकर सरकारी अस्पतालों में कोरोना मरीजों के लिए कम से कम बिस्तर आरक्षित करने के आदेश दिए हैं। मालूम हो कि प्रदेश के 74 सरकारी अस्पतालों को डेडिकेटेड कोविड हेल्थ सेंटर्स में कोरोना मरीजों के लिए बेड आरक्षित किए गए थे।

इमरजेंसी सेवाएं और लैब सर्विस की सुविधा आसान हो:- हेल्थ डायरेक्टर ने सभी सरकारी अस्पतालों में नॉन कोविड पेशेंट्स को आसानी से इलाज मुहैया कराने के लिए इमरजेंसी सर्विस, लैब टेस्ट सहित तमाम जांच की व्यवस्था की जाए। कोविड के लिए रिजर्व बिस्तरों को घटाकर दूसरे मरीजों के इलाज और ऑपरेशन के बाद भर्ती करने के लिए उपयोग करने को कहा है।

भिंड बुरहानपुर कोरोना से मुक्त हुए: - प्रदेश में अब कोरोना के 4809 एक्टिव केस बचे हैं। भिंड और बुरहानपुर कोरोना मुक्त हो चुके हैं। इन दोनों जिलों में अब कोई भी एक्टिव केस नहीं हैं।

मुख्यमंत्री ने 5 वर्षीय बालिका पार्श्वी जालोरी की पुस्तक फेयरी टेल पिंकीज़ विश का विमोचन

भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने 5 वर्षीय बालिका पार्श्वी जालोरी द्वारा लिखित अ क्लासिक फेयरी टेल पिंकीज़ विश पुस्तक का विमोचन किया। निवास कार्यालय स्थित सभागार में पुस्तक विमोचन के मौके पर कुरवाई विदिशा से विधायक श्री हरिसिंह सप्रे, पार्श्वी के माता-पिता श्री ऋषि एवं श्रीमती पूजा जालोरी, परिवार के सदस्य तथा वडर्ली वाइज़ पब्लिशर्स की सुश्री चांदनी माथुर उपस्थित थीं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बेटी पार्श्वी से बातचीत में पूछा कि यह पुस्तक कैसे लिखी। इस पर कुमारी पार्श्वी ने बताया कि मुझे ड्राईंग, पेंटिंग करने और किताबें पढ़ने का शौक है। इन रूचियों के कारण ही मैंने पुस्तक लिखने की कोशिश की। पार्श्वी बिलाबॉन्ग हाई इंटरनेशनल स्कूल भोपाल की सीनियर केजी की छात्रा हैं। उनकी लिखित पुस्तक को नोबल शांति पुरस्कार प्राप्त श्री कैलाश सत्यार्थी द्वारा शुभकामना संदेश प्रदान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने करंज और केसिया का पौधा लगाया

सांसद श्री गजेद्र सिंह पटेल तथा बी-अ-ह्यूमन के प्रतिनिधियों ने भी किया पौध-रोपण

भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज स्मार्ट उद्यान में करंज और केसिया के पौधे लगाए। खरगोन-बड़वानी सांसद श्री गजेंद्र सिंह पटेल, सदस्य जिला पंचायत धार श्री वीरेंद्र सिंह बघेल तथा बी-अ-ह्यूमन संस्था के श्री जीतेन्द्रमणि शर्मा, श्री अटल बिहारी शर्मा तथा श्री रणवेश शर्मा साथ थे। संस्था पिछले पाँच वर्षों से देश और प्रदेश के कई संगठनों के साथ मिलकर नैतिकता के भावों को लोगों तक पहुँचाने का काम कर रही है। पर्यावरण संरक्षण के लिए 2000 पौधे लगाए हैं। संस्था का युवा संगठन ग्रामीण स्तर पर लोगों को अपने कर्त्तव्यों के प्रति जागरूक करने का कार्य कर रहा है। बी-अ-हयूमन पर्यावरण, वृक्षा-रोपण, सुरक्षा और समाज से जुड़े सभी सामाजिक कर्त्तव्यों

के लिए सदैव तत्पर रही है। संस्था का मानना है कि व्यक्ति के विचारों में मानवता होगी तो वो इस समाज, देश और दुनिया के सदैव हितैषी बनें रहेंगे।

पौधों का महत्व

आज लगाया गया करंज आयुर्वेदिक चिकित्सा में महत्वपूर्ण माना गया है। करंज का उपयोग धार्मिक कार्यों में भी किया जाता है। केसिया को भारत में जंगली दालचीनी भी कहा जाता है। केसिया जावानिका की छाल और पत्तियों का उपयोग आयुर्वेदिक दवाएँ बनाने में किया जाता है।

दुग्ध उत्पादकों और उपभोक्ताओं के लिये साँची मिल्क हेल्पलाइन शुरू

सुबह 6 से रात 10 बजे तक दर्ज की जा सकेंगी शिकायतें

भोपाल

अपर मुख्य सचिव पशुपालन एवं डेयरी श्री जे.एन. कंसोटिया ने आज प्रदेश के दुग्ध संघों से जुड़े दुग्ध उत्पादक किसानों और उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिये एकीकृत कॉल-सेंटर साँची मिल्क हेल्पलाइन का शुभारंभ किया। उपभोक्ता और दुग्ध उत्पादक किसान शिकायत दर्ज कराने के लिये साँची मिल्क हेल्पलाइन के नम्बर 0755-4355800 का उपयोग कर सकते हैं। हेल्पलाइन सुबह 6 से दोपहर 2 बजे तक और दोपहर 2 से रात 10 बजे तक 2 पाली में कार्य करेगी। शिकायत निवारण कार्य के पर्यवेक्षण के लिये दुग्ध संघ स्तर पर एक-एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। एम.पी. स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन के प्रबंध संचालक श्री शमीम उद्दीन ने बताया कि हेल्पलाइन के माध्यम से दुग्ध संघों की सम्पूर्ण कार्य-प्रणाली में पारदर्शिता आयेगी। समिति सदस्यों, उपभोक्ताओं और साँची से जुड़े व्यक्तियों की समस्याओं का त्वरित निराकरण पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा। साँची उपभोक्ताओं को दूध और दुग्ध उत्पाद की उपलब्धता, गुणवत्ता और पार्लर संबंधी समस्याओं का निराकरण शीघ्रता से किया जा सकेगा।

लगभग सभी समस्याओं का होगा निदान:- इसी प्रकार दुग्ध सहकारी समिति के सदस्यों के भुगतान, दुग्ध संकलन के दौरान फैट और एसएनएफ अंकन में त्रुटि, दूध की दर, घी, पशु आहार की उपलब्धता, प्रशिक्षण संबंधी तथा समितियों को दूध बिल भुगतान, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का रख-रखाव, टैंकर संचालन, संकलन वाहन, बल्क मिल्क कूलर रख-रखाव आदि समस्याओं का निदान भी हेल्पलाइन के माध्यम से किया जा सकेगा।

जल जीवन मिशन में सागर संभाग के 283 ग्राम हुए शत-प्रतिशत नल-जल युक्त

» संभाग में करीब 695 करोड़ की 767 जल-प्रदाय योजनाएँ हैं प्रगतिरत

भोपाल

जल जीवन मिशन में सागर संभाग के 283 ग्रामों के शत-प्रतिशत परिवारों को जल जीवन मिशन में लाभान्वित किया गया है। संभाग के प्रत्येक गाँव के हर परिवार को मिशन का लाभ देने के उद्देश्य से सागर संभाग में 694 करोड़ 59 लाख 33 हजार रूपये लागत की 767 जल संरचनाओं का कार्य त्वरित गति से जारी है। जल जीवन

मिशन में सागर संभाग के सागर जिले में 404, टीकमगढ़ 135, छतरपुर 103, पन्ना 74 और दमोह जिले में 51 जल-प्रदाय की नवीन तथा रेट्रोफिटिंग योजनाओं का कार्य प्रगतिरत है। मिशन से ग्रामीण परिवारों की पेयजल समस्या को समाप्त करने में प्रभावी सफलता मिल रही है। प्रदेश में करीब एक करोड़ 22 लाख ग्रामीण परिवारों को उनके घर में ही नल कनेक्शन के जरिए जल उपलब्ध करवाने का लक्ष्य है। प्रदेश में जहाँ 46 लाख 79 हजार से अधिक ग्रामीण परिवारों तक सुगम पेयजल पहुँचाने का कार्य पूरा किया जा चुका है, वहीं 4070 ग्रामों के शत-प्रतिशत परिवारों को नल से जल उपलब्ध करवाया गया है। मिशन में निर्धारित लक्ष्य को वर्ष 2024 तक पूरा किया जाना है ताकि गाँव में बसे प्रत्येक परिवार को घर पर ही जल उपलब्ध करवाया जा सके। प्रदेश के सभी जिलों में ग्रामीण परिवारों को जल जीवन मिशन का लाभ देने के उद्देश्य से जल-प्रदाय योजनाओं पर त्वरित गति से कार्य किए जा रहे हैं। मिशन की प्रगतिरत जल-प्रदाय योजनाओं में जहाँ जल-स्त्रोत हैं, वहाँ उनका समुचित उपयोग कर आसपास के ग्रामीण परिवारों को पेयजल प्रदाय किया जायेगा। जिन ग्रामीण क्षेत्रों में जल-स्त्रोत नहीं हैं, वहाँ यह निर्मित किये जायेंगे। मिशन में यह सुनिश्चित किया जाना है कि कोई भी ग्रामीण परिवार पेयजल के लिए परेशान नहीं हो।

योग से निरोग कार्यक्रम में 2 लाख से अधिक व्यक्तियों को ऑनलाइन योगाभ्यास

भोपाल

आयुष विभाग द्वारा प्रदेश में कोविड-19 रोगी केन्द्रित कार्यक्रम के अंतर्गत योग के माध्यम से पोस्ट कोविड रोगियों में शारीरिक एवं मानसिक क्षमता में वृद्धि के लिये योग से निरोग कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम में होम आइसोलेशन एवं पोस्ट कोविड के करीब 2 लाख संक्रमितों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्यवर्द्धन के लिये ऑनलाइन योगाभ्यास कराया गया। विभाग द्वारा जीवन अमृत योजना के अंतर्गत पहले चरण में करीब 71 लाख परिवारों के 2 करोड़ 13 लाख लाभार्थियों को तथा दूसरे चरण में 50 लाख 10 हजार परिवारों के 12 लाख 73 हजार लाभार्थियों को कोरोना वायरस संक्रमण की प्रतिरोधात्मक औषधि त्रिकटु काढ़ा पैकेट का वितरण किया गया।

आयुष भवनों का निर्माण

विभाग द्वारा प्रदेश में पिछले माहों में 20 जिला आयुष कार्यालय भवन और 50 आयुष औषधालय भवन का निर्माण कार्य भी पूरा किया गया। इसके साथ ही विभाग द्वारा 13 जिलों में पंचकर्म चिकित्सा केन्द्र भवनों का निर्माण कार्य भी कराया जा रहा है। जिन जिलों में पंचकर्म चिकित्सा केन्द्र भवन का निर्माण कार्य कराया जा रहा है, उनमें भिण्ड, अलीराजपुर, आगर-मालवा, रीवा, अनूपपुर, बैतूल, भोपाल, धार, बुरहानपुर, मुरैना, उज्जैन, सिंगरौली और खण्डवा जिले शामिल हैं।

वित्त एवं वाणिज्यिक कर मंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर का अपने निवास पर पुष्प-गुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

ब्लड प्रोफाइल के अनुसार खिलाड़ियों को न्यूट्रीशन करें प्रदान : मंत्री श्रीमती सिंधिया

भोपाल

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्रीमती सिंधिया ने कहा कि अकादमी के खिलाड़ियों के ब्लड प्रोफाइल के अनुसार उन्हें न्यूट्रीशन प्रदान करें। उन्होंने कहा कि जो खिलाड़ी पिछले वर्ष से अब तक कोविड संक्रमित हुए है, उनका फुल ब्लड प्रोफाईल टेस्ट करवाएँ। श्रीमती सिंधिया ने यह बात टी.टी.नगर स्टेडियम में कुश्ती, बॉक्सिंग और शॉटगन अकादमी गतिविधियों की समीक्षा के दौरान कही।

बॉक्सिंग

खेल मंत्री श्रीमती सिंधिया ने बॉक्सिंग अकादमी के खिलाड़ियों के फॉरेन एक्सपोजर के लिए एक सप्ताह के अंदर क्यूबा के प्रशिक्षक को लाए जाने के लिए कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोविड से ठीक हुए खिलाड़ियों के लिए डाईट, प्रोटीन आदि दिए जाएँ। ऐसे खिलाड़ियों में हीमोग्लोबिन बढ़ाने के लिए स्पेशल फूड, मेडिकल कंसल्टेशन एवं मेडिसन की व्यवस्था सुचारू रूप से करें।

कुश्ती

मंत्री श्रीमती सिंधिया ने एशियन गेम्स की तैयारी के लिए कुश्ती अकादमी के संभावित खिलाड़ियों को दो-दो माह के लिए विदेशी प्रशिक्षकों से प्रशिक्षण दिलाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने न्यूट्रीशनिस्ट सुश्री आराधना शर्मा और स्पोर्टस साइंस के डॉक्टर श्री जीन्स थॉमस मैथ्यू को खिलाड़ियों के वेट केटेगरी और खेल के हिसाब से डाइट और सप्लीमेंटस दिए जाने और सप्ताह में प्रत्येक दिन किसी एक खेल प्रशिक्षक से बात कर खिलाड़ियों की समस्याओं की जानकारी लेने के निर्देश दिए।

शूटिंग

खेल मंत्री श्रीमती सिंधिया ने कहा कि मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी में पे-एण्ड-प्ले योजना में बाहर के खिलाड़ियों को विदेशी प्रशिक्षक से प्रशिक्षण दिलाने के संबंध में गाइड लाइन तैयार करें। उन्होंने शूटिंग रेंज परिसर में स्थान निश्चित कर कैलेण्डर लगाने, प्रशिक्षक एवं शूटर्स के प्रदेश के बाहर प्रशिक्षण कैम्प अथवा प्रतियोगिता में जाने के संबंध में चेकलिस्ट तैयार करने के भी निर्देश दिए।

राइस मिल में आग से एक करोड़ का नुकसान, 80 हजार बारदाना, धान, मशीनें जलीं

जांजगीर। छत्तीसगढ़ के जांजगीर में गुरुवार देर रात एक राइस मिल में आग लग गई। हादसे का पता सुबह कर्मचारियों को लगा। उन्होंने डायल-112 को सूचना दी। फिर खुद भी आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग इतनी भयानक थी कि उसे घंटों की मशक्कत के बाद काबू किया जा सका। हालांकि तब तक आग से बारदान, धान सहित अदंर रखा सामान जलकर खाक हो चुका था। आग से एक करोड़ से ज्यादा का नुकसान बताया जा रहा है। जांजगीर क्षेत्र के मुनुंद रोड पर मिथलेश अग्रवाल की विनायक राईस मिल है। सुबह करीब 6 बजे कर्मचारियों को पता चला कि मिल में आग लग गई है। इसके बाद वह खुद ही बुझाने के प्रयास में जुट गए। सूचना मिलने पर पुलिस और फायर ब्रिगेड भी पहुंच गई। तब तक आग ने विकराल रूप ले लिया था। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। बताया जा रहा है कि आग देर रात ही मिल में लग गई थी, लेकिन जानकारी नहीं मिल सकी। मिल संचालक मिथलेश अग्रवाल ने बताया कि आग से करीब 80 हजार बारदाना जलकर खाक हो गया है। इसके साथ ही काफी मात्रा में धान भी जला है और मशीनों को भी नुकसान हुआहै। आग लगने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं है। अंदेशा जताया जा रहा है कि शार्ट सर्किट के चलते हादसा हुआ है। मिल के अंदर से अभी तक धुआं उठ रहा है। आग से करीब एक से डेढ़ करोड़ का नुकसान होने का दावा मिल संचालक ने किया है।

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री राजीव गांधी की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज बिलासपुर प्रवास के दौरान तिफरा फ्लाई ओवर ब्रिज के लोकार्पण के बाद राजीव गांधी चौक पहुंचकर वहां पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय श्री राजीव गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, राजस्व मंत्री श्री जयसिंह अग्रवाल, उच्च शिक्षा मंत्री श्री उमेश पटेल, सांसद श्रीमती छाया वर्मा, नेता प्रतिपक्ष श्री धरमलाल कौशिक, विधायक श्री शैलेष पाण्डेय और छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष श्री अटल श्रीवास्तव सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती जी को उनकी जयंती पर नमन किया

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आर्य समाज के संस्थापक महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती जी की 26 फरवरी को जयंती पर उन्हें नमन किया है। श्री बघेल ने उन्हें याद करते हुए कहा कि स्वामी दयानंद सरस्वती जी का सामाजिक योगदान अविस्मरणीय हैं। उन्होंने लोगों के कल्याण और उनकी शारीरिक, आत्मिक और सामाजिक उन्नति के लिए काम किया। महर्षि दयानन्द ने सामाजिक कुरीतियों, अन्धविश्वासों, पाखण्डों का खुलकर विरोध किया। आध्यात्मिक पुनरुत्थान के माध्यम से राष्ट्रीय जागरण की दिशा में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके विचार हम सबको प्रेरित करते रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने किया डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम प्लेनेटोरियम का लोकार्पण

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज बिलासपुर प्रवास के दौरान वहां साढ़े तीन एकड़ में 6 करोड़ 72 लाख रूपये की लागत से निर्मित डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्लेनेटोरियम का लोकार्पण किया। इस प्लेनेटोरियम में शहरवासियों को दिन में भी आकाशीय नज़ारे के अवलोकन के साथ ही साथ विज्ञान तथा खगोलशास्त्र के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलेगी। दो सौ लोगों की बैठक क्षमता वाले इस प्लेनेटोरियम में आगंतुकों के लिए फोर के सिंगल टेक्नोलॉजी का प्रोजेक्टर लगाया गया है, इसके अलावा प्लेनेटोरियम परिसर में ऑक्सीजोन का भी निर्माण किया गया है। प्लेनेटोरियम पहुंचने वाले आगंतुकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए बिलासपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा पहुंच मार्ग का भी निर्माण किया गया है। इस अवसर पर नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री डॉ.शिवकुमार डहरिया, राजस्व मंत्री श्री जयसिंह अग्रवाल, उच्च शिक्षा मंत्री श्री उमेश पटेल, सांसद श्रीमती छाया वर्मा, नेता प्रतिपक्ष श्री धरमलाल कौशिक, विधायक श्री शैलेष पाण्डेय और छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष श्री अटल श्रीवास्तव सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

पीने के पानी की समस्या 15 दिन के अंदर दूर कर देने का लिखित में आश्वासन अन्य मांग के लिए कहा कार्य प्रगति पर है

भाजपा बेरला मंडल व नगरवासी विभिन्न मांगों को लेकर एकदिवसीय धरना प्रदर्शन दिया

बेमेतरा। भाजपा बेरला मंडल व बेरला नगरवासी नगर पंचायत में व्यापत समस्या वार्ड 6,7,8 में लगभग 1 वर्ष से पीने के पानी की समस्या,प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि सही समय मे नही मिलना,आबादी पट्टा की त्रुटि सुधार,कचरा साफ सफाई नही होता पर कचरा टैक्स वसूली व नगर पंचायत में व्यपात समस्या को लेकर 1 दिवसीय धरना प्रदर्शन देकर राज्यपाल के नाम नायाब तहसीलदार रविन्द्र कुर्रे को ज्ञापन सौपा । जिसमे प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष बलराम पटेल,भाजपा प्रदेशमंत्री संध्या परगनिहा,जिला महामंत्री नरेंद्र वर्मा,जिला पंचायत सभापति पुष्पा साहू,वरिष्ठ नेता संजीव तिवारी,शांतिलाल जैन,संतोष साहू,नगर पंचायत नेता प्रतिपक्ष मानक चतुर्वेदी मंडल महामंत्री गौकरण साहू,बलराम यादव उपस्थित थे। अंत मे राज्यपाल के नाम मुख्यकार्यपालन अधिकारी को ज्ञापन सौपने गए उस दौरान अधिकारी सारी समस्याओं से बात किया गया तो उसमें उनका पीने के पानी के लिए व अन्य मांगों को 15 दिन में पूरा कर देंगे लिखित में आस्वासन देने को मान गए

परन्तु कुछ देर बाद मुकर जाने के बाद फिर कार्यकर्ता व नगरवासी नगर पंचायत के सामने धरना में बैठ गए अंत मे पीने के पानी की समस्या को 15 दिन में सुधार का लिखित में आस्वासन पूरे नगर वासी के सामने दिया व पट्टा त्रुटि के बारे में कहा कि सुधार का कार्य जारी है कुछ लोगो की आपत्ति दर्ज किया गया था उसमें कार्य होने के बाद जल्द इस कार्य को किया जाएगा प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि के लिए कहा कि इसमे हम जैसे जैसे राशि आ रहा हम हित ग्राहियों को दे रहे है व अंतिम में नल टैक्स व कचरा टैक्स माफ के लिए सामान्य सभा के बात रखने की बात कहा। इस अवसर पर -पार्षद लता वर्मा,शिवझड़ी सिन्हा,कविता जैन,रेवती साहू,दाऊ लाल कुर्रे,जित्तू जैन,पोषण वर्मा,सरजू साहू,नीरज राजपूत,रोहित माहेष्वरी,आशीष सोनी,द्रौपती साहू,नारायण पटेल, किशुन साहू,दीक्षांत साहू,रमेश साहू,उकेन्द्र साहू,प्रह्लाद वर्मा,युगल पाटिल,भोला शंकर वर्मा,अजय साहू,कन्हैया सेन,ललित ठाकुर,प्रमोद साहू,कामदेव वर्मा,यशवंत जहर साहू,लेखराम साहू,राजू जायसवाल,पुरुषोत्तम यादव,नितेश सोनी,निक्कू सोनी,नारायण पटेल, कृष्णा शर्मा,गोवर्धन यादव,पार्वती कुर्रे,सरिता ठाकुर,जनक बाई, सुनीति साहू,गोवर्धन यादव,रमेश वर्मा नगरवासी भजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बच्चो की पढ़ाई में असर

वार्डवासी 6 सुनीति साहू बता रही थी पीने के पानी की समस्या 1 साल से है हमारे घर मे नल पाइप आया है पर पानी नही आता 1 बाल्टी 2 घण्टे में भरता है इसलिए हमे पानी के लाने के लिए हम स्वयं व घर के बच्चो को के साथ जाते है तो जिस समय उनकी पढ़ाई का होता है उस समय मे उनको पानी भरना होता है और दूर से पानी लाने के कारण उनकी पढ़ाई में समस्या हो गया है।

पट्टा नाम की समस्या में बार बार अवगत कराने के बाद भी सुधार नही

जनक बाई ने कहा कि पट्टे नाम की सुधार के लिए कई बार हम कार्यलय का चक्कर लगा चुके है परंतु अभी तक इनमें कोई आज तक करवाई नही हुआ है।

प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि 1 क़िस्त के बाद कई महीनों से लबिंत : दुलार देवांगन बता रहा था कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत घर निर्माण के लिए नगर पंचायत में कई बार जा जा कर थक चुके है परंतु जब भी जाओ तो राशि हमारे पास ही नही आया है कहकर बोलते है जब आएगा तो डाल दिया जाएगा कहते है रहने के लिए घर को कैसे भी कर्ज लेकर निर्माण कराया ।

कचरा उठाने के लिए नगर पंचायत कर्मचारी वार्ड आते नही पर शुल्क 1 साल से वसूली हो रहा है : वार्डवासी का कहना है कि कई वार्ड में कचरा उठाने के लिए आते नही परन्तु कचरा टैक्स वसूल करने आ जाते है। मंडल अध्यक्ष बलराम पटेल ने कहा कि नगर पंचायत में व्यपात समस्या है कई बार अवगत कराया गया परन्तु अभी तक नगर अध्यक्ष व मुख्य कार्यपालन अधिकारी उस चीज को धयान नही दिए हम प्रमुख मांग को लेकर आज पूरा भाजपा बेरला व नगरवासी बैठे है हमारे मांगों का जल्द पूरा नही करेंगे तो हम चक्का जाम व नगर पंचायत घेराव करेंगे जनता के मांगों के लिए यदि अनिश्चित कालीन धरना देना होगा तो वो भी हम करेंगे।

कृषि मंत्री चौबे से कृषि विवि के नवनियुक्त कुलपति डॉ.चंदेल ने की सौजन्य मुलाकात

डॉ. चंदेल के मार्गदर्शन में कृषि के क्षेत्र में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और उन्नत खेती को बढ़ावा मिलेगा

रायपुर । कृषि एवं जल संसाधन मंत्री श्री रविंद्र चौबे से आज यहां दोपहर उनके निवास कार्यालय में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने सौजन्य मुलाकात की। कृषि मंत्री श्री रविंद्र चौबे ने डॉक्टर चंदेल को उनके नवीन पद एवं दायित्व के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी। कृषि मंत्री श्री चौबे ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय के नए कुलपति के रूप में डॉ. चंदेल के मार्गदर्शन में राज्य में कृषि के क्षेत्र में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और उन्नत खेती को बढ़ावा मिलेगा। मंत्री श्री चौबे ने इस अवसर पर कुलपति डॉ.चंदेल से कृषि के क्षेत्र में मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की प्राथमिकताओं, विशेषकर छत्तीसगढ़ सरकार की फ्लैगशिप सुराजी गांव योजना- नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी के संबंध में विस्तार से चर्चा की और कहा कि राज्य सरकार के प्रयासों से बीते 3 सालों में यहां कृषि के क्षेत्र में तेजी से बदलाव आया है। राज्य जैविक और रिजेनरेटिव खेती की ओर बढ़ रहा है। कृषि वैज्ञानिकों के सहयोग से इसमें और तेजी

लाने की जरूरत है। यहां यह उल्लेखनीय है कि कल 24 फरवरी को छत्तीसगढ़ के राज्यपाल द्वारा डॉ. चंदेल की नियुक्ति इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति के पद पर की गई है। इससे पूर्व वह इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर में डिपार्टमेंट ऑफ प्लांट मॉलिक्यूलर बॉयोलॉजी एवं बॉयोटेक्नोलॉजी के विभागाध्यक्ष के रूप में कार्यरत रहे हैं। डॉ चंदेल, देश के प्रख्यात पौध प्रजनक और जैव प्रौद्योगिकी के वैज्ञानिक हैं।

युवा कैरियर निर्माण हेतू कार्यशाला का आयोजन

संतोष जायसवाल

कोरिया। शुक्रवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खड़गवां के सभा कक्ष में किया गया जिसमें कक्षा 9 वी से 12 वीं तक के छात्र छात्राओं को जनपद उपाध्यक्ष भुनेश्वर सांहू,अशोक श्रीवास्तव तहसीलदार चिरमिरी विप्लव श्रीवास्तव, विकास खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ कुजूर, महिला बाल विकास अधिकारी श्री मति खुशबू तिवारी, आत्मानंद इंग्लिश स्कूल के प्राचार्य डी के उपाध्याय, खड़गवां महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अजय कुमार सोनी, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरदर के प्राचार्य ए के नाग, डॉ कुशवाहा द्वारा बताया गया कि भविष्य में कैरियर निर्माण कैसे करे, किन किन क्षेत्रों में भविष्य है, अपने उद्बोधन में कहा कि आज हर क्षेत्र में भविष्य उज्ज्वल है अगर आप किसान के लड़के और आगे पढ़ाई करने के बाद कृषि करने का विचार है तो कृषि विज्ञान की पढ़ाई कर आप वैज्ञानिक तरीके से खेती कर सकते हैं जिसमें आपको ज्यादा फायदा मिलेगा वहीं जिनकी

रुचि डांसिंग सिंकिंग या फिर स्वास्थ से संबंधित विषयों पर रुचि है तो आप विज्ञान का कोर्स कर उसमे भी सफलता हासिल कर सकते हैं जिन्हें राजनीति में शौक है तो राजनीति शास्त्र का विषय लेंकर पढ़ाई करें और समाज सेवा कर सकते हैं जिन्हें जिस क्षेत्र में रुचि है उस विषय पर पढ़ाई कर सकते सारगर्भित तरीके हैं बताया और समझाया वहीं विकास खंड खड़गवां के अंतर्गत आने वाले शैक्षणिक संस्थान मझोली, बरदर, बचरा पोड़ी, ठग्गाव, खड़गवां , दुबछोला स्कूल के छात्र छात्राओं को कैरियर गाइडेंस प्रदान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारका प्रसाद मिश्रा के द्वारा किया गया। मंच का संचालन जितेंद्र गुप्ता सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी, शान्तनु कुर्रे के द्वारा किया गया। इस दौरान संस्था के प्राचार्य प्रमोद पांडेय , एम अंसारी व्यख्याता का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

पार्टी की रीति नीति विचारधारा से प्रभावित होकर 10 कन्याओं ने किया भाजपा प्रवेश

वन बूथ 20 युथ बूथ स्तर को मजबूती प्रदान व गांव-गांव जाकर संगठन को विस्तार करेगी भाजपा युवा मोर्चाः आलोक श्रोती

बेमेतरा। भाजपा युवा मोर्चा बेरला मंडल की द्वितीय कार्यसमिति बैठक महाराणा प्रताप भवन में सम्पन हुआ।जिसमे प्रमुख रूप से भाजपा प्रदेशकार्यसमिति सदस्य पूर्व विधायक अवधेश चंदेल ,भाजपा प्रदेश मंत्री संध्या परगनिहा, जिला प्रभारी युवा मोर्चा आलोक श्रोती,भाजपा जिला महामंत्री नरेंद्र वर्मा,जिला पंचायत उपाध्यक्ष अजय तिवारी,भाजपा मंडल अध्यक्ष बलराम पटेल, महामंत्री डोमेंद्र सिंह राजपूत,वरिष्ठ नेता संजीव तिवारी,लता वर्मा उपस्थित थे। सर्वप्रथम बैठक प्रारंभ भारत माता व पार्टी के आदर्शों के तैल्य चित्र में माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित करके हुआ बैठक का प्रथम उद्बोद्धन दीक्षांत साहू युवा मोर्चा अध्यक्ष ने दिया जिसमें उन्होंने अतिथियों व पार्टी के वरिष्ठ नेता पदाधिकारी व कार्यकर्ता का अभिनंदन करते हुए प्रदेश व जिला से निर्देशित हर एक कार्य को अपने पूरे टीम के साथ मिलकर तय समय से पहले पूरा करने व पार्टी के आगामी कार्यो को बखूबी डंग से करने को अपने प्रभारी को आस्वस्त किया।

अवधेश चंदेल ने कहा अभी तक बेमेतरा जिला में बेरला मंडल हर एक कार्य मे प्रथम है जिसमे हर कार्यकर्ता की मेहनत है अब समय है युवा मोर्चा को आगे आकर काम करने का क्योंकि पार्टी का आधार है युवा मोर्चा में मुझे पूर्ण विश्वाश ये युवा मिलकर ये कांग्रेस के झूठे वादे को बेनकाब करके आने वाले समय मे 2023 के चुनाव में कांग्रेस के सरकार को उखाड़ फेकेंगे इनके साथ भाजपा के वरिष्ठ नेता व स्वयं मैं इनके साथ खड़ा हूँ।

आलोक श्रोती ने कहा बेरला मंडल की उपस्थिति व आपके उत्साह देखकर बेमेतरा जिला प्रभारी व मंडल में आप लोगो के साथ कार्य करने की उत्साह बढ़ गया है।प्रदेश के निर्देश सर्वप्रथम हर एक बूथ में 20 युवा की सक्रिय टीम तैयार हम सब को मिलकर को करना है उसके बाद हमे बेरोजगारी भत्ते के

लिए तहसील में धरना देना है मंडल के बाद हमे जिला में हल्ला बोलना है व बेरोजगारी भत्ते की राशि पिछ्ले तीन साल की राशि अपने किये हुए वादे को पूरा करने की इस गूंगी बहरी को जगाना है।परमेश्वर वर्मा ने प्रभारी को आस्वस्त दिलाते हुए कहा कि जिला की पूरी टीम व वरिष्ठ नेता के मार्गदर्शन में हर एक कार्य को तय समय से पूरा करेंगे व इन सब युवाओं के मदद से 2023 की रण में जिला के तीनो विधानसभा में कमल खिलाएंगे व आज हमारी बैठक में 10 बहनों ने भाजपा प्रवेश किया उनका मैं पूरे भाजपा परिवार की ओर से स्वागत करता हूं। इस अवसर पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रोहित महेश्वरी ,भोलाशंकर वर्मा ,महामंत्री योगेश वर्मा, उपाध्यक्ष आशीष सोनी ,तारण राजपूत ,मंडल अध्यक्ष बेमेतरा मोंटी साहु ,जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि पोषण वर्मा,मंडल प्रभारी तारण राजपूत,मिडिया प्रभारी नीरज राजपूत ,जिला मंत्री लालू साहू,जिला कार्यकारिणी सदस्य युगल पाटिल।

युवा मोर्चा बेरला मंडल अध्यक्ष दीक्षांत साहु ,पार्षद व महामंत्री शिवझडी सिन्हा ,पेखन साहु ,उपाध्यक्ष राजू जयसवाल ,लेखराम साहु ,यशवंत पटेल ,मंत्री आदित्य तिवारी ,समीर साहु ,मिडिया प्रभारी पुरूषोत्तम यादव ,कार्यालय प्रभारी लीलाराम साहु ,कार्यकारिणी सदस्य यशवंत साहु ,राज राजपूत ,ललित पूरेना ,छोटूराम साहु ,नवीन गौतम,रितेश राजपूत,कन्या किरण सिन्हा,गोवर्धन यादव,छन्नू साहू,मनोज पटेल व अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे भाजपा प्रवेश करने वाले भूपेन्द्र मानिकपुर ,सुभम नेताम ,मोहन मांडलेय ,सपना मांडेय ,पूजा साहु ,भारतीय साहु ,रोशनी सोनी ,आकांछा मांडलेय विध्या देवांगन ने किया भाजपा प्रवेश।

नेताजी सुभाषचंद्र बोस बनाम हिन्दू संगठनवादी

कस्तूरबा को भारत छोड़ो आन्दोलन में अपनी सहभागिता के चलते गिरफ्तार किया गया था। कस्तूरबा के जीवनी लेखकों के मुताबिक इस बात को भांपते हुए कि शिवाजी पार्क में आयोजित ऐतिहासिक सभा में पहुंचने के पहले ही उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है, उन्होंने, जनता के नाम अपने सन्देश को सुशीला नायर को लिखवाया। श्रीमती कस्तूरबा गांधी नहीं रहीं । 74 वर्ष की आयु में पूना में अंग्रेजों के कारागार में उनकी मृत्यु हुई। ..उनकी मृत्यु दुखद परिस्थितियों में हुई लेकिन एक गुलाम देश के वासी के लिए कोई भी मौत इतनी सम्मानजनक और इतनी गौरवशाली नहीं हो सकती। हिन्दुस्तान को एक निजी क्षति हुई है। ..इस महान महिला को जो हिन्दुस्तानियों के लिए मां की तरह थी , मैं अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और इस शोक की घड़ी में मैं गांधीजी के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। ... कस्तूरबा हिन्दुस्तान की उन लाखों बेटियों के लिए एक प्रेरणास्रोत थीं जिनके साथ वे रहती थीं और जिनसे वे अपनी मातृभूमि के स्वतंत्राता संग्राम के दौरान मिली थीं। दक्षिण अफ्रीका में सत्याग्रह के बाद से ही वे अपने महान पति के साथ परीक्षाओं और कष्टों में शामिल थी और यह सामीप्य तीस साल तक चला। अनेक बार जेल जाने के कारण उनका स्वास्थ्य प्रभावित हुआ लेकिन अपने चौहत्तरवे वर्ष में भी उन्हें जेल जाने से जरा भी डर न लगा। महात्मा गांधी ने जब भी सविनय अवज्ञा आंदोलन चलाया, उस संघर्ष में कस्तूरबा पहली पंक्ति में उनके साथ खड़ी थीं हिन्दुस्तान की बेटियों के लिए एक चमकते हुए उदाहरण के रूप में और हिन्दुस्तान के बेटों के लिए एक चुनौती के रूप में कि वे भी हिन्दुस्तान की आजादी की लड़ाई में अपनी बहनों से पीछे नहीं रहें।

इन लफ्जों के साथ आज़ाद हिन्द फौज के संस्थापक एवं स्वतंत्रता सेनानी सुभाषचंद्र बोस ने कस्तूरबा को याद किया था जब 22 फरवरी 1944 को बर्तानवी हुकूमत की हिरासत में उनका इन्तक़ाल हुआ। इतिहास इस बात का गवाह है कि उपनिवेशवादी हुक्मरानों के बेहद क्रूर और निर्मम रवैये ने इस मौत को करीब ला खड़ा किया था क्योंकि उनके गिरते स्वास्थ्य के बावजूद उन्होंने कस्तूरबा को रिहा करने से मना किया था। शायद यही वजह थी कस्तूरबा को दी अपनी श्रद्धांजलि में बोस ने कहा कि %कस्तूरबा एक शहीद की मौत मरी हैं।% और उन्होंने इस %निर्मम हत्या के लिए% ब्रिटिश सरकार को जिम्मेदार ठहराया। मालूम हो कि कस्तूरबा को %भारत छोड़ो आन्दोलन% में अपनी सहभागिता के चलते गिरफ्तार किया गया था। कस्तूरबा के जीवनी लेखकों के मुताबिक इस बात को भांपते हुए कि शिवाजी पार्क में आयोजित ऐतिहासिक सभा में पहुंचने के पहले ही उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है, उन्होंने, जनता के नाम अपने सन्देश को सुशीला नायर को लिखवाया। कल रात गांधीजी ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की बैठक में दो घंटों तक अपना दिल उंडेल कर रख दिया। मैं इसमें क्या जोडूं ? हमारे सामने बचा यही है कि हम उनके आदर्शों पर अटल रहें। भारत की महिलाओं के लिए यह परीक्षा की घड़ी है। उन्हें चाहिए कि वह जाति,धर्म, सम्प्रदाय के बंधनों से हट कर इस संघर्ष में शामिल हों। हमें सत्य और अहिंसा के मार्ग पर अडिग रहना होगा। ब्रिटिश हिरासत में कस्तूरबा की मौत के इस 75 वें साल पर जब राष्ट्र उन्हें याद कर रहा था तब हमारे सामने उनके साठ से अधिक साला सार्वजनिक जीवन तथा निजी जीवन के तमाम पहलुओं पर नए सिरे से रौशनी डाली जा रही थी। स्वतंत्रता सेनानी, तमाम नागरिक कार्रवाइयों में तथा विरोध प्रदर्शनों में शामिल रही तथा उसके लिए जेल की यात्रा की। डरबन के नजदीक फिनिक्स सेटलमेण्ट /1904/, जो एक किस्म का सहकार्य के आधार पर संचालित ग्राम था जहां निवासी सभी कामों में साझा करते थे और अपना अनाज खुद उगाते थे। उनकी पहली गिरफ्तारी भी दक्षिण अफ्रीका में हुई जहां उन्होंने नस्लीय कानूनों के खिलाफ महिलाओं के जुलूस की अगुआई की थी। पुलिस की ज्यादतियों के खिलाफ संघर्षरत गुजरात के बोरसाड की महिलाओं को दिए उनके प्रेरणादायी भाषण के बारे में हम पढ़ते हैं और यह भी पता चलता है कि इस भाषण के बाद उन्होंने आसपास के कई गांवों में जाकर महिलाओं के प्रति अपना नैतिक समर्थन भी जाहिर किया था। कस्तूरबा की मौत के बाद उनके सार्वजनिक जीवन की सेवाओं के मद्देनजर उनके कुछ सहयोगियों ने %कस्तूरबा गांधी मेमोरियल फंड% की स्थापना की, जिसमें उनका मकसद महिलाओं और लड़कियों के कल्याण पर केन्द्रित करना था और इसके लिए उन्होंने फंड जुटाना भी शुरू किया। उन दिनों लोगों को यह बिल्कुल विचित्र सा लगा कि हिन्दू संगठनवादियों को इस पूरे घटनाक्रम से बेचैनी हो रही थी और उन्होंने इसे गांधी को नीचा दिखाने और स्वतंत्रता संग्राम में कस्तूरबा की किसी भी किस्म की भूमिका से इनकार करने तथा उन्हें महज गृहिणी तक सीमित करने को प्रमाणित करने का बहाना बनाया।

रूस की दिलेरी

तत्कालीन लेनिनग्राद, जिसे अब पुनः सेंट पीटर्सबर्ग कहते हैं, में जन्मे, जूडो-कराटे के पारंगत खिलाड़ी, तत्कालीन सोवियत संघ के जमाने में सुविख्यात गुप्तचर संस्था कोमिटेट गोसुदर्स्टोर्वेन्नोय बेजोपास्नोस्ती यानी केजीबी में सोलह साल तक एक सफल जासूस, जर्मनी के ड्रेसडेन शहर सहित बहुत-सी जगहों पर गोपनीय तरीके से रह चुके और अब रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर व्लादिमिरोविच पुतिन का कहना है कि 'मुझे लेनिनग्राद की सड़कों ने यह सबक दिया है कि अगर लड़ाई होनी ही है, तो अपनी जीत सुनिश्चित और पक्की करने के लिए पहला मुक्का आपको ही मारना होगा।' अभी चल रही यूक्रेन की घटना में उनका यह कथन दिलेरी और उच्चतम मेधाशक्ति का परिचायक है। इस तरह उन्होंने कथित अजेय नाटो सैन्य संगठन के नापाक गठबंधन के मुखिया अमेरिका और उसके दुमछल्ले देशों पर इतना जबर्दस्त और प्रबल प्रहार किया है कि तथाकथित महाबली अमेरिका और उसके चमचे देशों के कर्णधारों को नैतिक, कूटनीतिक, सामरिक आदि सभी तरह से जोरदार पटखनी मिली है। वर्ष 1991 में तत्कालीन सोवियत संघ विघटित होकर यूक्रेन सहित पंद्रह देशों में बंट गया, इन देशों में क्षेत्रफल के अनुसार सबसे बड़ा देश रूस भी आर्थिक और सैन्य शक्ति के रूप में इतना गरीब और दैन्य हो गया कि वह वैश्विक राजनीतिक मंच पर एक अछूत-सा बन गया! लेकिन वही देश अपने राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के कुशल और सक्षम नेतृत्व में अपनी बिखरी शक्ति को सहेज कर फिर से उठ खड़ा हुआ है। उसने अमेरिका जैसे खुदगर्ज, घोर स्वार्थी और अपनी शक्ति के दंभ में मदांध देश के कर्णधारों और उसके पिछलग्गू देशों के नाटो नामक एक नापाक सैन्य संगठन के माध्यम से अपनी ठीक सीमा पर हो रहे तांडव को काफी दिनों तक बहुत ही विवशता से केवल देखने को अभिशप्त रहा, लेकिन जब नाटो सैन्य संगठन के मुखिया अमेरिका और उसके पिछलग्गू देशों ने उसके नेतृत्व में बने वारसा सैन्य संगठन के बिखरने के बाद उसके सदस्य देशों जैसे पोलैंड, हंगरी, बल्गारिया, चेकोस्लोवाकिया, यूगोस्लाविया आदि देशों को अपने नाटो सैन्य संगठन में बेशर्मी से सम्मिलित कर ही लिया। इससे भी आगे बढ़ कर उसके भूतपूर्व राज्यों यथा लिथुआनिया, लाटविया, एस्तोनिया और उसके हृदय प्रदेश यूक्रेन तक को नाटो में शामिल करने की जुर्रत करने लगे तब रूस के सब्र की सभी सीमाएं टूट गईं! रूस ने अपनी सीमा से लगे यूक्रेन के दो रूसी बहुल राज्यों क्रमशः दोनेत्स्क तथा लोहान्स्क को एक झटके में दो स्वतंत्र देशों के रूप में मान्यता देकर पहले से हर कार्यवाही के लिए तैयार अपनी एक लाख नब्बे हजार सेना को इन नवसृजित देशों में शांति स्थापना के लिए बिना वक्त गंवाए घुसा कर कथित महाबली अमेरिका और उसके चमचे देशों के कथित सबसे बड़े नाटो सैन्य संगठन को दिन में तारे दिखा दिया है। नाटो के सरगना कथित महाबली अमेरिका और उनके छुटभैए देश रूस पर आर्थिक प्रतिबंध लगाने की गीदड़ भभकी तो दे रहे हैं, लेकिन हर तरह से ताकतवर और सक्षम रूसी सेना के सामने आने का नैतिक साहस तक नहीं जुटा पा रहे हैं! इस प्रकार इस दुनिया के अमेरिका से अरबों दुखी और त्रस्त लोग अब यह उम्मीद लगाए बैठे हैं कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन अमेरिकी साम्राज्यवाद की गुंडागर्दी और अमानवीय व्यवहार को रोकने और उसकी नकेल कसने के लिए अपने पूरे दमखम के साथ उठ खड़े हुए हैं!

चुनाव का समय

अलग-अलग समय पर चुनाव सरकारी मशीनरी पर अतिरिक्त बोझ डालता है, क्योंकि सशत्र बल और केंद्रीय कर्मचारियों की चुनाव में होने वाली तैनात से उनकी कार्यक्षमता प्रभावित होती है। एकीकृत चुनाव कराने से उन्हें राहत मिलेगी। क्षेत्रीय दलों का मत है कि मतदाता में प्रायः एक समय में एक ही दल को चुनने की प्रवृति होती है, जिससे एकीकृत चुनावों में राष्ट्रीय पार्टियों के मुकाबले क्षेत्रीय दलों को नुकसान हो सकता है। देशभर में एक साथ चुनाव कराने के लिए पर्याप्त संख्या में अधिकारियों व कर्मचारियों की आवश्यकता होगी। इनके अलावा विशषज्ञों का मानना है कि 'एक देश एक चुनाव' की धारणा देश के संघीय ढांचे के विपरीत सिद्ध हो सकता है। यहां विधि आयोग की उस अनुशंसा को भी महत्त्व दिया जाना चाहिए, जिसके अनुसार जिस विधानसभा का कार्यकाल लोकसभा के आम चुनावों के छह माह बाद खत्म होना हो, उन विधानसभाओं के चुनाव तो लोकसभा चुनावों के साथ करा दिए जाएं, लेकिन जब विधानसभाओं का कार्यकाल पूरा हो जाए, तब परिणाम जारी किया जाए।

रूस-नाटो टकराव का स्वास्थ्य प्रणाली पर प्रभाव

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध के और अधिक फैलने की संभावना है, उस परिदृश्य में निम्न आय वर्ग के देशों की आबादी पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा जो उनकी अर्थव्यवस्था पर लंबे समय तक चलने वाला हो सकता है। इसलिए यह आवश्यक है कि जहां एक ओर तत्काल कूटनीतिक प्रयास किए जाएं, वहीं नागरिक समाज को अपनी चिंताओं को विश्वभर में उठाना चाहिए। कोविड-19 महामारी के कारण मानवीय संकट से पूरी दुनिया प्रभावित हुई है। यह खतरा अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है क्योंकि हम अभी भी तेजी से परिवर्तन करने वाले वायरस के नए रूपों के बारे में निश्चित नहीं हैं। भले ही टीकाकरण ने कुछ राहत दी हो, लेकिन विभिन्न देशों में आबादी के टीकाकरण में स्पष्ट असमानता इसके खिलाफ लड़ाई में बाधा उत्पन्न करती है। हमें न केवल महामारी के लिए, बल्कि अन्य बीमारियों के लिए भी चुनौती का सामना करने के लिए अपार संसाधनों की आवश्यकता है, जिन्हें इस अवधि के दौरान बड़े पैमाने पर नजरअंदाज कर दिया गया है। टीबी, डेंगू, मलेरिया, डायरिया, मधुमेह, कैंसर, क्रोनिक किडनी जैसी बीमारियों के मरीजों को बदलती प्राथमिकताओं के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा। इसका प्रभाव विकासशील देशों में अधिक देखा गया है, जिनके पास पहले से ही संसाधनों की कमी है।

यह एक ऐसा समय है जब पूरी दुनिया को एक साथ आना चाहिए और लोगों की स्वास्थ्य देखभाल के लिए संसाधनों के संरक्षण के लिए सभी प्रयास करने चाहिए। लेकिन इससे पहले कि यह संकट समाप्त हो, हम एक और मानवीय आपदा के कगार पर हैं जो रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष की स्थिति हो सकती है। इस समय ऐसा युद्ध अकेले यूरोप के लिए स्थानीय नहीं रह सकता है। जैसा कि ऐसा प्रतीत होता है कि संयुक्त राज्य अमेरिका नाटो देशों के साथ प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संघर्ष में प्रवेश करेगा, जो संकट को और बढ़ाएगा और आने वाले समय में अन्य देशों की भागीदारी को बढ़ावा देगा। इसलिए यह तत्काल आवश्यक है कि दोनों देश आपसी बातचीत और विश्वास निर्माण उपायों के माध्यम से संकट के राजनयिक समाधान पर पहुंचें। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध की स्थिति में मानवीय क्षति का आकलन करना मुश्किल हो सकता है, लेकिन किसी भी युद्ध के मामले में प्रभाव समान होता है। हमारे पास अमेरिका और सहयोगियों द्वारा इराक पर आक्रमण के बाद हुई भारी क्षति का अनुभव है। किसी भी युद्ध परिदृश्य में, नागरिकों की मृत्यु सैनिकों की मृत्यु से अधिक होती है क्योंकि अब हथियारों के प्रत्यक्ष प्रभाव की तुलना में युद्ध के अप्रत्यक्ष प्रभाव के कारण अधिक मौतें होती हैं। युद्ध की स्थिति में खाद्य आपूर्ति, जल आपूर्ति, स्वास्थ्य सेवा और सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाएं, बिजली उत्पादन, संचार, परिवहन और अन्य बुनियादी ढांचे जैसी आवश्यक चीजें प्रतिकूल रूप से प्रभावित होती हैं। इसके अलावा, आबादी का विस्थापन भी होता है जिन्हें शिफ्ट शिविरों में रहना पड़ता है। इससे बीमारी और मौत का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययनों से पता चला है कि 1990-2017 के बाद से सशस्त्र संघर्षों के परिणामस्वरूप सालाना 50000 प्रत्यक्ष मौतें हुई हैं जबकि अप्रत्यक्ष मौतें दस लाख से अधिक रही हैं।

यह एक ऐसा समय है जब पूरी दुनिया को एक साथ आना चाहिए और लोगों की स्वास्थ्य देखभाल के लिए संसाधनों के संरक्षण के लिए सभी प्रयास करने चाहिए। लेकिन इससे पहले कि यह संकट समाप्त हो, हम एक और मानवीय आपदा के कगार पर हैं जो रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष की स्थिति हो सकती है। इस समय ऐसा युद्ध अकेले यूरोप के लिए स्थानीय नहीं रह सकता है।

हाल ही में अमेरिकी सरकार के अधिकारियों ने अनुमान लगाया था कि लड़ाई 25,000 से 50,000 नागरिकों, 5,000 से 25,000 यूक्रेनी सैन्य कर्मियों और 3,000 से 10,000 रूसी सैनिकों को मार सकती है। यह 1 से 5 मिलियन शरणार्थी भी उत्पन्न कर सकता है। किसी भी वृद्धि से परमाणु हथियारों का उपयोग हो सकता है जो विनाशकारी होगा। 19 फरवरी 2022 को इंटरनेशनल फिजिशियन फॉर प्रिवेंशन ऑफ न्यूक्लियर वॉर द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में पब्लिक हेल्थ, टफ्ट्स यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के डॉ. बैरी एस लेवी एडजंक्ट प्रोफेसर ने पारंपरिक युद्ध के गंभीर परिणामों की चेतावनी दी है। उनके अनुसार युद्ध की स्थिति में विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों में कुपोषण में वृद्धि हुई है। डायरिया, हैजा, सांस की बीमारी, क्षय रोग जैसे संचारी रोगों में वृद्धि हो रही है। अवसाद, अभिघातजन्य तनाव विकार और आत्महत्या जैसे मानसिक विकारों में वृद्धि होती है। प्रजनन स्वास्थ्य बुरी तरह प्रभावित होता है। गैर-संचारी रोग जैसे हृदय रोग, कैंसर, किडनी रोग। चूंकि यूक्रेन में 65 वर्ष से अधिक आयु की 17ः आबादी है। इसलिए एक खतरा है कि अप्रत्यक्ष मृत्यु दर इराक पर आक्रमण की तुलना में बहुत अधिक होगी क्योंकि जनसंख्या का यह समूह अधिक असुरक्षित है।

इंकार नहीं किया जा सकता है। इस तरह की स्थिति के बेहद खतरनाक परिणाम होंगे और ऊपर वर्णित घटना में डॉ इरा हेलफैंड - पूर्व सह-अध्यक्ष आईपीपीएनडब्ल्यू को चेतावनी देते हुए दुनिया भर में अरबों को जोखिम में डाल देगा। बियॉन्ड न्यूक्लियर के संस्थापक लिंडा पेंट्ज गुंटर ने यूक्रेन में परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को युद्ध में क्षतिग्रस्त होने पर अत्यंत गंभीर तबाही की चेतावनी दी है। हमें चेरनोबिल और फुकुशिमा जैसे परमाणु ऊर्जा संयंत्र दुर्घटनाओं की पिछली घटनाओं से सीखना होगा। इन सभी खतरों को अच्छी तरह से जानते हुए भी दुनिया हथियारों पर खर्च बढ़ा रही है। एक अध्ययन के अनुसार 2020 में विश्व सैन्य खर्च 1981 बिलियन डॉलर था, 2019 में वास्तविक रूप से 2.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जैसा कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध के और अधिक फैलने की संभावना है, उस परिदृश्य में निम्न आय वर्ग के देशों की आबादी पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा जो उनकी अर्थव्यवस्था पर लंबे समय तक चलने वाला हो सकता है। इसलिए यह आवश्यक है कि जहां एक ओर तत्काल कूटनीतिक प्रयास किए जाएं, वहीं नागरिक समाज को अपनी चिंताओं को विश्वभर में उठाना चाहिए।

नेहरूजी के सिद्धांतों को आजमाने का वक्त

रूस और यूक्रेन के बीच एक अरसे से सुलग रहा तनाव अब युद्ध की शक्ल में भड़क चुका है। यूक्रेन से हाल ही में अलग हुए दोनेत्स्क और लुहान्स्क में अलगाववादियों के समर्थन में रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने सेना तैनात कर दी और सैन्य अभियान छेड़ने की मंजूरी दे दी। इस पर यूक्रेन ने भी हथियार न डालने का ऐलान कर दिया है। यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने कहा है कि यूक्रेन अपना बचाव करेगा और जीतेगा। रूसी हमले के बीच यूक्रेन में %मार्शल% लॉ का ऐलान कर दिया गया है। इस बीच यूक्रेन ने भारत समेत दुनिया के तमाम देशों से रूस पर प्रतिबंध लगाने, उसकी कार्रवाई के खिलाफ सख्ती बरतने और यूक्रेन का साथ देने का आग्रह किया है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी रूस के इस कदम की आलोचना की है। जबकि रूस द्वारा यूक्रेन में दोनबास क्षेत्र में सैन्य अभियान को मंजूरी देने पर संरा में रूस ने यूक्रेन पर अपनी कार्रवाई के पक्ष में तर्क रखा है। रूस के प्रतिनिधि ने कहा कि राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन द्वारा घोषित विशेष अभियान यूक्रेन के लोगों की रक्षा के लिए हैं, जो वर्षों से पीड़ित हैं। हमारा लक्ष्य यूक्रेन को नरसंहार से मुक्त करना है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 के अनुरूप निर्णय लिया गया है हम यूक्रेन में स्थिति का विश्लेषण करेंगे।

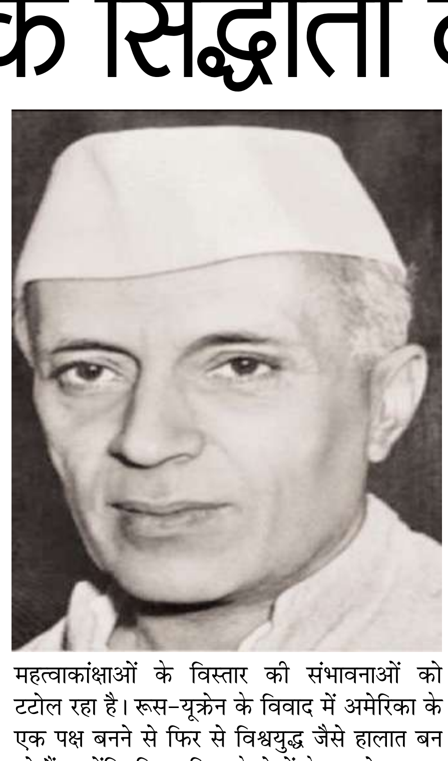

अमेरिका समेत तमाम नाटो देश इस वक्त यूक्रेन के साथ खड़े हैं और अपनी-अपनी तरह से रूस पर प्रतिबंध लगा रहे हैं। इस विवाद में अमेरिका अपनी सैन्य गतिविधियों के लिए जमीन और अपनी महत्वाकांक्षाओं के विस्तार की संभावनाओं को टटोल रहा है। रूस-यूक्रेन के विवाद में अमेरिका के एक पक्ष बनने से फिर से विश्वयुद्ध जैसे हालात बन रहे हैं, क्योंकि फिर दुनिया के देशों के सामने रूस या यूक्रेन यानी रूस या अमेरिका किसी एक का साथ देने का विकल्प प्रस्तुत किया जा रहा है। अपने-अपने सामरिक और आर्थिक हितों की वजह से सभी देश किसी एक पक्ष की ओर झुकने पर मजबूर हो रहे हैं। युद्ध किसी ने भी शुरु किया हो या इसमें हार या जीत किसी की भी हो, मानवता हर तरीके से मात ही खाती है। अभी युद्ध का औपचारिक ऐलान हुआ भी नहीं था कि वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आग लग गई। क्रिप्टो करेंसी मार्केट को भी झटका लगा। भारत में भी इसका असर महसूस किया जा सकता है। गुरुवार सुबह शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ खुला। अभी तो विधानसभा चुनावों के कारण तेल की कीमतों को सरकार ने बढ़ने से रोका है, जबकि उसके पहले पेट्रोल-डीजल के दाम रोज बढ़ते हुए सौ के पार जा ही चुके थे। इसके साथ-साथ सीएनजी, एलपीजी की कीमतें भी बढ़ रही हैं और इस वजह से महंगाई बढ़ती जा रही है। रूस-यूक्रेन के बीच लड़ाई शुरु होने से भारतीय रुपया भी डालर के मुकाबले गिरा है। इन सबका असर कमजोर अर्थव्यवस्था को और खराब पड़ेगा।

लेकिन मोदी सरकार अब भी किंकर्तव्यविमूढ़ नजर आ रही है, क्योंकि उसके पास घरेलू और वैश्विक मसलों को समझने की दूरदृष्टि का अभाव साफ नजर आ रहा है। प्रधानमंत्री अब भी उप्र चुनाव प्रचार पर ध्यान लगाए हुए हैं। कुछ दिन पहले उप्र में एक चुनावी रैली में उन्होंने दुनिया में चल रही उथल-पुथल के बीच भारत में मजबूत नेतृत्व की जरूरत की बात कही थी। जाहिर है नेतृत्व की यह मजबूती उनमें नहीं है, क्योंकि वे मौजूदा हालात सुधारने की जगह पिछली सरकारों को कोसने में वक्त ज़ाया करते हैं। इस वक्त दुनिया फिर से दो गुटों में बंटने को मजबूर हो रही है, तब याद आता है कि नेहरूजी ने कितनी सूझबूझ से गुटनिरपेक्ष आंदोलन को खड़ा किया था। लेकिन आज भारत में ही गुटनिरपेक्षता को महत्वहीन बनाया जा चुका है। पिछले कुछ बरसों में अमेरिका और उसकी वजह से इज़रायल से भारत की निकटता बढ़ी है, लेकिन भारत को ये नहीं भूलना चाहिए कि रूस किस तरह संकट की घड़ियों में उसके साथ खड़ा रहा है।

अगर मोदीजी ने नेहरूजी द्वारा स्थापित विदेश नीति को ही कायम रखा होता तो आज इस विवाद को कूटनीतिक तरीके से सुलझाने में उनकी अहम भूमिका हो सकती थी। सांप भी मरे और लाठी भी न टूटे, कुछ इस चतुराई के साथ रूस-यूक्रेन के बीच तनाव को बिना धमाकों के सुलझाने की कोशिश हो सकती थी। लेकिन यह विवाद सुलझाना तो दूर, हमारे प्रधानमंत्री इतना भी सुनिश्चित नहीं कर सके कि यूक्रेन में फंसे भारतीयों को हालात बिगड़ने से पहले वापस ला सकें। एयरइंडिया का भी निजीकरण हो चुका है और खबर है कि एयरइंडिया ने यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों को लाने के लिए दोगुनी-तिगुनी राशि वसूल की। आपदा में अवसर तलाशने की यह ताजा मिसाल है। वैसे खबर ये भी है कि अब भी सैकड़ों विद्यार्थी यूक्रेन में फंसे हैं और भारतीय दूतावास उन्हें शरण देने की जगह अपनी सुरक्षा की व्यवस्था खुद करने कह रहा है, यह आत्मनिर्भर भारत का उदाहरण है। बहरहाल, रूस-यूक्रेन के कारण दुनिया में युद्ध के बादल और गहरे हों, इससे पहले भारत को कोशिश करना चाहिए कि इसमें वैश्विक गुटबाजी खत्म हो और शांति बहाली की कोशिशें जल्द से जल्द हों। यह वक्त मोदी सरकार के कूटनीतिक कौशल की परीक्षा का है। गांधी-नेहरू के रास्ते पर चलकर इस परीक्षा को अच्छे अंकों से उत्तीर्ण किया जा सकता है।

डिप्रेशन से छुटकारा पाने में आपकी मदद करेंगी ये चीजें

डिप्रेशन से छुटकारा पाने में आपकी मदद करेंगी ये चीजेंडिप्रेशन या अवसाद एक मानसिक बीमारी है जिसे ज्यादातर लोग ठीक तरह से समझ नहीं पाते हैं। यदि कोई व्यक्ति अवसाद से ग्रस्त है तो उसे क्या खाना चाहिए और क्या नहीं ? इस बात का ध्यान रखा जाना बेहद जरूर है। अवसाद के कारण और लक्षणों को ध्यान में रखते हुए आप अपने आहार में कुछ ऐसी चीजों को शामिल कर सकते हैं जो इससे बाहर निकलने में आपकी मदद करें।

इस लेख में हम आपको डिप्रेशन से बचने के उपाय के संदर्भ में खाने की कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं जो अवसाद और चिंता के घेरे से निकलने में आपकी मदद कर सकते हैं।

कैमोमाइल

कई लोग कैमोमाइल चाय का सेवन करते हैं, क्योंकि इसमें सूजन-रोधी, बैक्टीरिया-रोधी, एंटीऑक्सीडेंट और आराम देने वाले गुण होते हैं। ऐसा माना जाता है कि कैमोमाइल में मौजूद फ्लेवोनॉयड्स की वजह से ही इसमें अवसाद को कम करने की शक्ति होती है। कैमोमाइल चिंता के लक्षणों को कम कर सकता है।

दही

दही में लैक्टोबेसिलस और बिफिडोबैक्टीरिया नामक स्वस्थ बैक्टीरिया होते हैं। कई अध्ययनों में सामने आया है कि ये दोनों बैक्टीरिया मस्तिष्क पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं। रोजाना दही का सेवन कर चिंता, अवसाद और स्ट्रेस को कम किया जा सकता है।

ग्रीन टी

ग्रीन टी में थायमिन नामक अमीनो एसिड होता है जो कि मूड से जुड़े विकारों को ठीक करने की शक्ति रखता है। थायमिन में अवसाद-रोधी और दिमाग को आराम देने वाले गुण होते हैं एवं यह सेरोटोनिन और डोपामाइन के उत्पादन में भी वृद्धि करता है। अवसाद से निपटने के लिए आप बड़ी आसानी से अपनी जीवनशैली में ग्रीन टी को शामिल कर सकते हैं।

एवोकैडो

मूड को बेहतर करने वाले सेरोटोनिन को एवोकैडो से भी बढ़ाया जा सकता है। इसमें विटामिन-बी के अलावा थायमिन, राइबोफ्लेविन और नियासिन होता है जो कि तंत्रिका तंत्र पर सकारात्मक असर डालता है। इन विटामिनों की कमी की वजह से कुछ लोगों में चिंता यानी एंग्जयाटी के मामले सामने आए हैं।

कद्दू के बीज

कद्दू के बीज पोटाशियम का उत्तम स्रोत होते हैं जो कि शरीर में इलेक्ट्रोलाइट को संतुलित रखने और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में मदद करता है। कद्दू के बीज स्ट्रेस और चिंता के लक्षणों को कम करने की शक्ति रखते हैं। ड्रिपेशन के कारण और लक्षणों की पहचान करने के आप अपने आहार में कद्दू के बीज जरूर शामिल करें। इनमें मिनरल जिंक भी होता है जो कि मूड को अच्छा रखता है। स्वस्थ व्यक्ति भी कद्दू के बीजों का सेवन कर सकते हैं।

मछली

अगर आप मांसाहारी हैं तो डिप्रेशन से बचने के उपाय के तौर पर मछली का सेवन जरूर करें। डिप्रेशन से छुटकारा पाने के लिए साल्मन, मैकरेल, सारदिंस और ट्यूना मछली खानी चाहिए। ये डिप्रेशन से लड़ने में मदद करती हैं। इनमें प्रचुर मात्रा में ओमेगा-3 फैट होता है जो कि मस्तिष्क की कोशिकाओं के बीच संबंध बनाने में मदद करता है और न्यूरोट्रांस्मीटर के लिए रिसेप्टर नाडियों को मजबूती देता है। आहार में ओमेगा-3 फैटी एसिड लेने से सेरोटोनिन के उत्पादन में वृद्धि होती है और मूड भी अच्छा रहता है।

सूखे मेवे

काजू, ब्राजील नट और हेजल नट में भी ओमेगा-3 फैटी एसिड भरपूर मात्रा में होता है। इसमें अखरोट का नाम सबसे ऊपर आता है। अखरोट मस्तिष्क को स्वस्थ रखने का काम करता है, क्योंकि इसमें प्रचुरता से पौधों से प्राप्त ओमेगा-3 होता है। ये प्रोटीन का भी बेहतरीन स्रोत है जिससे ब्लड शुगर के लेवल को संतुलित रखने में मदद मिलती है।

अंडे

अंडे की जर्दी विटामिन-डी का बेहतरीन स्रोत होती है। इसमें प्रोटीन भी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है जिससे शरीर को सभी प्रकार के जरूरी अमीनो एसिड मिलते हैं। ये शरीर के विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। अंडे में ट्रिप्टोफेन नामक अमीनो एसिड होता है जो कि सेरोटोनिन बनाने में मदद करता है। सेरोटोनिन एक केमिकल न्यूरोट्रांस्मीटर है जो कि मूड, नींद, याद्दाशत और व्यवहार को नियंत्रित करने में सहायक होता है। ऐसा माना जाता है कि सेरोटोनिन मस्तिष्क के कार्य में सुधार लाने और चिंता से राहत दिलाने का भी काम करता है।

हल्दी

हल्दी में करक्यूमिन नामक तत्व होता है जो कि सूजन और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस (शरीर में फ्री रेडिकल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स के बीच असंतुलन) को कम कर चिंता में कमी लाता है। मूड से जुड़े विकारों जैसे कि चिंता और डिप्रेशन में इन दोनों में अक्सर इजाफा आ जाता है।

आंखों की प्रॉब्लम को न करें नजरअंदाज, अंधेपन से मौत तक का हो सकते हैं शिकार

इस खूबसूरत दुनिया को देखने के लिए हमारा साथ देती हैं आंखें। हालांकि अक्सर लोग अपनी आंखों के प्रति काफी ज्यादा हल्के में लेते हैं। आंखों का लाल होना, आंखों से पानी आना, धुंधला दिखना और ड्राई आंखों जैसे लक्षणों को अक्सर मामूली समस्याओं के रूप में नजरअंदाज कर दिया जाता है, कई लोग इन बीमारियों के लिए घरेलू इलाज कर लेते हैं तो कुछ मेडिकल शॉप से दवाई ले आते हैं। ऐसे में इन परेशानियों को गंभीरता से नहीं लिया जाता है। हालांकि इनमें से अधिकांश लक्षण अपने आप ठीक हो जाते हैं, लेकिन कई मामलों में अगर यूहीं छोड़ दिया जाए तो वे अंधेपन से लेकर मृत्यु तक की गंभीर परेशानियां पैदा कर सकते हैं।

नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश एक रिपोर्ट की मानें तो अधिकांश ओकुलर संक्रमण मामूली होते हैं, वहीं दूसरे काफी जटिल होते हैं। अधिकांश मरीज या तो ओकुलर डिस्चार्ज, विजुअल लक्षण, लाल या दर्दनाक आंख के साथ होते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि कुछ रोग और संक्रमण पहले आंख के लक्षण के रूप में हो सकते हैं क्योंकि आंखें शरीर का एकमात्र अंग है जहां न्यूरॉन्स और रक्त वाहिकाओं को सीधे देखा जा सकता है और इसलिए किसी भी बीमारी का पहला लक्षण आंखों में नजर आता है।

राइनो ऑर्बिटल सेरेब्रल म्यूकोर्मिकोसिस

आम भाषा में इसे ब्लैक फंगस के रूप में जाना जाता है, यह म्यूकोरेल्स के कारण होने वाला एक असामान्य संक्रमण है और इसकी हाई मोर्बिडिटी और मोरटेलिटी रेट। यह मुख्य रूप से डायबिटीज, कैंसर, पोस्ट ऑर्गन ट्रांस्प्लांट के बाद क्रोनिक स्टेरॉयड थेरेपी वाले रोगियों में होता है और हाल ही में इसे गंभीर कोविड संक्रमण वाले पेशेंट में भी देखा गया था। फंगस नाक के जरिए से एंटर करने वाली ब्लड वेसेल्स पर आक्रमण करता है और साइनस और नेसल कैविटी में फैल जाता है। अगर समय पर ध्यान न दिया जाए तो ये दिमाग तक पहुंच जाता है, जो दिमाग के लिए घातक हो सकता है।

एस्परगिलोसिस

म्यूकोर्मिकोसिस के समान, ऑर्बिटल एस्परगिलोसिस इम्युनोकॉम्प्रोमाइज्ड रोगियों में होता है और नाक के बाद में दिमाग तक पहुंचता है।
कंजंक्टिवाइटिस (गुलाबी आंख) कंजक्टिवा टिश्यू की एक पतली परत होती है जो आंखों के सफेद हिस्से और पलकों के अंदरूनी हिस्से को ढकती है। कंजक्टिवाइटिस को कंजंक्टिवा के संक्रमण या सूजन के रूप में वर्णित किया जा सकता है। इसके लक्षण खुजली और पानी बहना है।

ब्लेफेराइटिस

यह पलकों की सूजन है, और बैक्टीरिया के संक्रमण, एलर्जी, पलकों में तेल ग्रंथियों के बंद होने और स्किन की कुछ स्थितियों के कारण देखा जाता है। किसी को लाल और पलकों की सूजन, जलन और पानी बहता है। आंखों के चारों ओर परतदार स्किन जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। ब्लेफेराइटिस से अंधापन नहीं होगा, लेकिन यह कई अन्य परेशानियों को पैदा कर सकता है जैसे कि पलकें गिर सकती हैं।

यूवाइटिस

यह यूविया आईरिस युक्त नेत्रगोलक की मध्य परत की सूजन है। यह सोरायसिस, दाद संक्रमण, या रुमेटीइड गठिया जैसी स्थितियों से जुड़ा है। किसी को धुंधली दिखने, आंखों की लाली और फ्लोटर्स जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं।

केराटाइटिस

इसे कॉर्निया की सूजन या संक्रमण के रूप में जाना जाता है। लेंस का दुरुपयोग संक्रमण का कारण हो सकता है। लंबे समय तक लेंस पहनने, उनकी सफाई न करने से कॉर्निया में कीटाणुओं के आने का खतरा बढ़ सकता है। इसका तुरंत इलाज न करने से कॉर्निया पर निशान पड़ सकते हैं और नजरें खराब हो सकती हैं।

मेटाबॉलिक सिंड्रोम बढ़ा सकता है ब्लड प्रेशर और मोटापे का खतरा

स्टडी में यह भी सामने आया कि सीओपीडी के शिकार 46.3 फीसदी पुरुष पहले सिगरेट पीते थे लेकिन जब उन्हें बीमारी हुई, तब उन्हें सिगरेट छोड़े कई साल बीत चुके थे। स्टडी में सिर्फ 13.4 फीसदी स्मोकर्स में सीओपीडी मिली।

पतियों का शौक पत्नियों को बीमार कर रहा है। मेडिकल कॉलेज की एक स्टडी के मुताबिक सीओपीडी (क्रॉनिक ऑब्सट्रेक्टिव पल्मोनरी डिसीज) ग्रस्त महिलाओं में से 55 प्रतिशत को यह बीमारी उनके चेन स्मोकर पतियों की वजह से हुई। लगातार धुएं से वह पैसिव स्मोकर बन गईं और खतरनाक सीओपीडी ने उन्हें चपेट में ले लिया। इनमें से ज्यादातर में मेटाबॉलिक सिंड्रोम भी पाया गया है। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के चेस्ट विभाग की टीम ने यह स्टडी की, जिसमें सीओपीडी के 170 मरीजों को शामिल किया गया। दो साल तक लगातार इन मरीजों पर स्टडी हुई। परिणाम ने यह भ्रम तोड़ दिया है कि धूम्रपान न करने वाले सीओपीडी से बच सकते हैं। स्टडी में 46 फीसदी मरीज नॉन स्मोकर मिले। इनकी उम्र 35 से 87 साल के बीच थी। स्टडी में शामिल नॉन स्मोकर महिलाओं में 55 फीसदी के पति या घर का कोई पुरुष सदस्य चेन स्मोकर निकला। बाकी महिलाएं लंबे समय से बायोमास फ्यूल का इस्तेमाल कर रही थीं।

सिगरेट छोड़ने के बरसों बाद बीमारी

स्टडी में यह भी सामने आया कि सीओपीडी के शिकार 46.3 फीसदी पुरुष पहले सिगरेट पीते थे लेकिन जब उन्हें बीमारी हुई, तब उन्हें सिगरेट छोड़े कई साल बीत चुके थे। स्टडी में सिर्फ 13.4 फीसदी स्मोकर्स में सीओपीडी मिली।

हर मरीज में मिला मेटाबॉलिक सिंड्रोम

स्टडी में सीओपीडी के हर मरीज में मेटाबॉलिक सिंड्रोम मिला। स्टेज वन में कम तो स्टेज टू और थ्री में ज्यादा मरीज मिले। मेटाबॉलिक सिंड्रोम की स्टेज फोर में सबसे कम मरीज थे।

क्या है मेटाबॉलिक सिंड्रोम

मेटाबॉलिक सिंड्रोम कोई बीमारी नहीं बल्कि स्थिति है। इसमें शरीर में रोग के कारक बढ़ जाते हैं। हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, मोटापा और अनियंत्रित कोलेस्ट्रॉल इन चारों के संयुक्त रूप को मेटाबॉलिक सिंड्रोम कहते हैं। मेटाबॉलिक सिंड्रोम की कंडीशन होने पर हाई बीपी की समस्या, हाई शुगर, और कमर पर एक्सट्रा फैट जम जाता है। इसके साथ ही मेटाबॉलिक सिंड्रोम होने पर कोलेस्ट्रॉल लेवल असामान्य तरीके से बढ़ जाता है। सिंड्रोम के कारण हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। जरूरी दवाओं के साथ लाइफस्टाइल में बदलाव करने से आप इस समस्या से बाहर निकल सकते हैं।
स्टडी के चीफ गाइड प्रो.सुधीर चौधरी के मुताबिक बीपी, शुगर, मोटापा और कोलेस्ट्रॉल का असंतुलित होना सिंड्रोम है, जो कई बड़े रोगों की वजह बनता है। हार्ट, किडनी और ब्रेन की बीमारियां हो सकती हैं। किसी भी संक्रमण के लिए ऐसा शरीर आसान शिकार बनता है। मानक से असंतुलन होने पर मरीज को इस सिंड्रोम से ग्रस्त माना जाता है।
स्टडी ने यह साबित किया है कि सीओपीडी नॉन स्मोकर्स को भी हो सकती है। सिगरेट और उसके प्रदूषण के साथ बायोमास फ्यूल एक्सपोजर से सीओपीडी बीमारी मरीजों में मिली। घरेलू महिलाओं ने कभी धूम्रपान नहीं किया, फिर भी उन्हें यह बीमारी मिली।

मेटाबॉलिक सिंड्रोम से बचने के उपाय

- मेटाबॉलिक सिंड्रोम की समस्या से बचने के लिए आपको अपनी डाइट में फाइबर युक्त फूड्स शामिल करने चाहिए।
- मेटाबॉलिक सिंड्रोम की स्थिति से बचना है तो पत्तेदार सब्जियां खाएं, होल ग्रेन को डाइट में शामिल करें।
- डब्ल्यूएचओ के अनुसार मेटाबॉलिक सिंड्रोम की समस्या से बचने के लिए वजन कंट्रोल रखें।
- रोजाना अपने रूटिन में मेडिटेशन, योगा और ब्रीदिंग एक्सरसाइज शामिल करके स्ट्रेस को कम करें।
- नमक की मात्रा सीमित करें, ज्यादा नमक का सेवन करने से बीपी बढ़ने की समस्या हो सकती है।
- डायबिटीज रोगी चीनी का सेवन न करें, चीनी की जगह गुड़ का सीमित इस्तेमाल कर सकते हैं।

जबड़े में दर्द की वजह बन रहा स्मार्टफोन का उपयोग

एक हालिया अध्ययन में शोधकर्ताओं ने खुलासा किया है कि स्मार्टफोन का ज्यादा उपयोग लोगों के जबड़े में दर्द की वजह बन रहा है। इसमें पाया गया कि स्मार्टफोन की लत के चलते लोगों में दांत पीसने की समस्या बढ़ रही है, जो इसका कारण बन रही है।
तेल अवीव विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने स्मार्टफोन का उपयोग करने वाले लोगों के व्यवहार की तुलना कोषेर फोन वाले लोगों से की, जिनमें स्मार्टफोन की तरह विभिन्न एप का उपयोग नहीं किया जा सकता। उन्होंने पाया कि स्मार्टफोन का ज्यादा उपयोग आपकी नींद को तो खराब कर ही रहा है बल्कि इन फोनों में मौजूद एप पर दिनभर अंगुलियों घुमाने से आप इसके लती हो रहे हैं। इसका एक और असर देखने को मिला। दरअसल, व्हाट्सएप-फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपना ज्यादातर समय बिताने वाले लोग जब किसी मैसेज को देख नहीं पाते तो अपने दांत पीसने लगते हैं। ऐसे में उन्हें जल्द से जल्द मैसेज देखने की इच्छा होती है। उनकी ये आदत जबड़े में दर्द की वजह बन रही है। शोधकर्ताओं के अनुसार, नियमित स्मार्टफोन उपयोगकर्ता में से करीब एक चौथाई में दिन के दौरान अपने दांत पीसने की समस्या पाई गई।

जानिए दूध में तुलसी डालकर पीने के 5 बेहतरीन फायदे

दूध पोषण के लिहाज से अमृत के समान है और तुलसी को औषधि के रूप में प्रयोग किया जाता है जो आपकी प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर कई रोगों से आपकी रक्षा करती है। इन दोनों का मिश्रण कर लिया जाएं, तो पोषण के साथ-साथ सेहत और उससे जुड़े कई फायदे पाए जा सकते हैं। अब जब भी आप दूध पिएं, उसमें तुलसी की पत्तियां डालें और पाएं यह 5 फायदे -

- दमा के मरीजों के लिए यह उपाय फायदेमंद है। खास तौर से मौसम में बदलाव होने पर होने वाली सांस संबंधी समस्याओं से बचने के लिए दूध और तुलसी का यह मिश्रण बेहद लाभकारी होता है।
- सिर में दर्द या माइग्रेन की समस्या होने पर यह उपाय आपको रोहत देगा। जब भी माइग्रेन का दर्द हो आप इसे पी सकते हैं, रोजाना इसका सेवन करने से आपकी समस्या भी खत्म हो सकती है।
- तनाव अगर आपके जीवन का भी अभिन्न अंग बन गया है, तो दूध में तुलसी के पत्तों को उबालकर पिएं, आपका तनाव दूर होगा और धीरे-धीरे तनाव की समस्या ही समाप्त हो जाएगी।
- हृदय की समस्याओं में भी यह लाभदायक है। सुबह खाली पेट इस दूध को पीने से हृदय संबंधी रोगों में लाभ पाया जा सकता है। इसके अलावा यह किडनी में होने वाली पथरी के लिए भी अच्छा उपचार है।
- तुलसी में कैंसर कोशिकाओं से लड़ने का गुण होता है, अत: इसका सेवन आपको कैंसर से बचा सकता है। इसके अलावा सर्दी के कारण होने वाली सेहत समस्याओं में भी यह कारगर उपाय साबित होगा।

यूक्रेन के 7 शहरों से भारतीय स्टूडेंट्स

बंकर में छिपे छात्र, सुरक्षा में तैनात मार्शल मोबाइल से डिलीट करा रहे फोटो और वीडियो

नई दिल्ली

क्रेन पर रूस के हमले के बाद वहां अलग-अलग शहरों में फंसे भारतीय छात्रों की नाराजगी सामने आ रही है। ये छात्र मेट्रो स्टेशन, हॉस्टलों के बंकरों और अपने फ्लैट्स में छिपकर जान बचा रहे हैं। यहां सुरक्षा में तैनात मार्शल उनके मोबाइल से यूक्रेन पर हमले से संबंधित फोटो और वीडियो डिलीट करा रहे हैं। बंकर में छिपे छात्र हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे हैं। छात्रों का कहना है कि भारतीय एम्बेसी अगर समय रहते सक्रिय हो जाती तो इन बच्चों को वहां फंसने से बचाया जा सकता था। बच्चों ने क्लासेस ऑनलाइन चलवाने की मांग की थी, लेकिन एम्बेसी ने उनकी मांग पर ध्यान ही नहीं दिया। एक छात्र का कहना है कि युद्ध के बीच भी क्लासेस लगाई जा रही हैं। इन सबके बीच भारतीय छात्र कीव में शरणार्थियों के तरह रहने को मजबूर हैं। कुछ छात्र हंगरी के रास्ते घर वापसी के प्रयास में लगे हैं भागलपुर के शुभम सम्राट भी यूक्रेन में फंसे हुए हैं। शुभम ने भारत सरकार से मदद की गुहार लगाई है। शुभम ने एक वीडियो मैसेज जारी कर कहा कि- %पिछले कुछ दिनों से रूस और यूक्रेन के बीच लड़ाई की आशंका थी। हम लोग यहां पढ़ाई कर रहे हैं। क्लासेस ऑफलाइन हैं। युद्ध की आशंका को देख इंडियन एंबेसी को हमने कई मेल किए कि क्लास ऑनलाइन करवा दें। पर बहुत कोशिशों के बाद भी वे लोग ऑनलाइन क्लास के लिए नहीं माने, तो हम लोगों ने यहीं रह कर अपनी पढ़ाई जारी रखी। क्लासेस अगर ऑनलाइन करा दी जाती तो हम घर जाकर भी पढ़ाई जारी रख पातें। पर ऐसा कुछ नहीं हुआ। क्लासेस ऑफलाइन ही चल रही थी। हम लोग यहां कॉलेज के हॉस्टल में फंसे हुए हैं।

मध्यप्रदेश के छात्रों की रिपोर्ट

देवास के हर्ष ठाकुर कीव में हैं। उन्होंने बताया कि हम सुरक्षित हैं। यहां के बाजारों में अधिकतर सामान खत्म होने को है। घर से बाहर निकलने से मना किया जा रहा है। स्कूल भी बंद हो गए हैं। ग्वालियर के पीयूष सक्सेना कीव से 60 किमी पूर्व में स्थित सूमी शहर में हैं। वे सूमी स्टेट यूनिवर्सिटी में स्क्क्र की फिफ्थ ईयर की पढ़ाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा- हमें यहां से निकाल लो तो हम सुरक्षित बच जाएंगे। क्योंकि यहां कभी भी कुछ भी हो सकता है। सूमी शहर में सारे बाजार बंद है। बसें, टैक्सियां भी नहीं चल रही हैं।

अशोकनगर की ऋषिका खंतवाल ने बताया कि अभी विन्निसिया नेशनल पिरोगोव मेडिकल यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में है। एक विदिशा और एक उत्तर प्रदेश की छात्रा साथ में है। हमला होते ही गुरुवार को हॉस्टल का सायरन बना और सभी को अलर्ट कर दिया गया। सभी ने खाने-पीने सहित अन्य जरूरी सामान की खरीदी कर ली है। पिता अनिल खंतवाल हर घंटे वीडियो कॉल कर हाल जान रहे हैं। देवास जिले के चापड़ा निवासी ऋषभ यादव यूक्रेन के डेनेप्रो शहर में हैं। उन्होंने बताया कि मार्केट में कोरोना काल जैसे हालात बन रहे हैं। किराना सहित अन्य जरूरी सामान खरीदने के लिए मार्केट में लोगों की भीड़ लग रही है।

महाराष्ट्र में जारी है सेंट्रल एजेंसीज का एक्शन

मुंबई में शिवसेना के बड़े नेता यशवंत जाधव के घर आईटी की रेड, किरीट सोमैया ने लगाया था 15 करोड़ के घोटाले का आरोप

मुंबई

मुंबई में शिवसेना के बड़े नेता और भायखला सीट से विधायक यामानी जाधव के पति यशवंत जाधव के दो ठिकानों पर इनकम टैक्स की टीम ने रेड की है। छापेमारी की कार्रवाई सुबह 7 बजे से जारी है। उनके घर के बाहर भारी संख्या में सीआरपीएफ के जवान तैनात हैं। जाधव बृहन्मुंबई महानगर पालिका की स्थायी समिति के अध्यक्ष भी है। जाधव में मुंबई के भायखला और मजगांव इलाके के घरों पर की है। कुछ दिन पहले यशवंत जाधव और मुंबई की मेयर किशोरी पेडनेकर पर भाजपा नेता किरीट सोमैया ने आरोप लगाया था। सोमैया ने आरोप लगाया था कि जाधव ने कोविड संक्रमण काल के दौरान अपने और अपने रिश्तेदारों के खातों में 15 करोड़ रुपये डायवर्ट किए थे। सोमैया ने मंत्री आदित्य ठाकरे पर मेयर की कंपनी को ठेका देने का भी आरोप लगाया। सोमैया ने कहा था कि वह सभी एजेंसियों से शिकायत करेंगे। माना जा रहा है कि यह रेड इसी का नतीजा है। यह भी कहा जा रहा है कि आने वाले समय में और नेताओं पर भी केंद्रीय एजेंसीज का शिकंजा कस सकता है।

पत्नी और बेटे के खाते में पैसे ट्रांसफर करने का आरोप:- किरीट सोमैया ने कहा था, उद्धव ठाकरे की सेना का मनपा आय का जरिया है। यशवंत जाधव ने 15 करोड़ पीस डोनेट किए। प्रधान डीलर्स प्राइवेट लिमिटेड के खाते में पैसे ट्रांसफर कर दिए गए। किरीट सोमैया ने दावा किया था कि उन्होंने 500 रुपये के 1 शेयर खरीदे। किरीट सोमैया ने यह भी आरोप लगाया था कि स्थायी समिति के अध्यक्ष यशवंत जाधव के खाते में 2 करोड़ रुपये, उनकी पत्नी यामिनी जाधव के खाते में 2 करोड़ रुपये, उनके बेटे निखिल जाधव को 50 लाख रुपये और उनके दूसरे बेटे यतिन जाधव को 50 लाख रुपये हस्तांतरित किए गए। भाजपा नेता किरीट सोमैया ने कहा था कि यशवंत जाधव ने शौरू ट्रेडिंग कंपनी के खाते में 3 करोड़ रुपये, क्रेसिडा ट्रेडर्स के खाते में 2 करोड़ रुपये और सुनंदा मोहिते के खाते में 5 करोड़ रुपये, उनके और उनके रिश्तेदारों के खाते में कुल 15 करोड़ रुपये स्थानांतरित किए थे।

कल नगर निगम के कर्मचारियों के घर भी छापा मारेंगे केंद्रीय एजेंसीज वाले- राउत:- यशवंत जाधव के घर हुई रेड के बाद शिवसेना सांसद संजय राउत मीडिया के सामने आये और व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसी कल मुंबई नगर निगम के कर्मचारियों के घरों पर छापेमारी कर सकती है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे मुंबई नगर निगम चुनाव नजदीक आ रहे हैं, इस तरह की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि मुंबई नगर निगम के एक जहाज के घर पर छापेमारी के लिए कल जांच शुरू की जाएगी। क्योंकि अधिकांश सैनिक शिवसैनिक हैं। वह अपनी शर्ट पर शिवसेना का धनुष लगाते हैं। तो कल उन पर भी हमला होगा। उन्होंने कहा कि 2024 तक जांच का खामियाजा महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, पंजाब और छत्तीसगढ़ को भुगतना होगा। इस समय राज्य में गंदी राजनीति चल रही है। जांच मशीनरी हिटलर की नाजी सेनाओं की तरह ही केंद्र सरकार के आदेश पर काम कर रही थी।

चुनाव जीतने के लिए ये लोग कुछ भी कर रहे हैं- किशोरी पेडनेकर

यशवंत जाधव के घर हुई रेड पर मुंबई बीएमसी की मेयर किशोरी पेडनेकर ने कहा, पूरा मुंबई और महाराष्ट्र देख रहा है; चुनाव जीतने के लिए इन लोगों को जो कुछ भी करना है वह करने दें, हम संविधान, कानून और व्यवस्था में विश्वास करते हैं। सच्चाई सामने आने दें और जांच होने दो। उन्होंने कहा, मैं यहां यह देखने आई थी कि कोई शिव सैनिक कुछ भी अनुचित नहीं करता है।

रूस-यूक्रेन युद्ध से पानीपत पर छाया संकट

देश की टैक्सटाइल नगरी है; यूरोपीय देशों से मिले ऑर्डर रद्द होने का डर, 5000 करोड़ की लगेगी चपत

पानीपत

रूस-यूक्रेन युद्ध छिड़ गया है और यह यदि लंबा चला तो टैक्सटाइल नगरी पानीपत को 5000 करोड़ की चपत चपत लगेगी। रूस, यूक्रेन समेत अन्य यूरोपीय देशों से हरियाणा के पानीपत जिले को इतनी कीमत का ऑर्डर मिला है, अब इस पर रद्द होने की तलवार लटक रही है। इतना ही नहीं कच्चे तेल की कीमत बढ़ी तो धागा उत्पादन भी महंगा होगा। नतीजा पूरे टैक्सटाइल उद्योग पर महंगाई की मार भी पड़ेगी। ऐसे में उद्यमियों की चिंता बढ़ गई है। यूक्रेन पूर्वी यूरोप में स्थित एक देश है। इसकी सीमा पूर्व में रूस, उत्तर में बेलारूस, पोलैंड, स्लोवाकिया, पश्चिम में हंगरी, दक्षिण-पश्चिम में रोमानिया और मालदीव से लगती है। इन सभी देशों में पानीपत से टैक्सटाइल उत्पाद जाते हैं।

चीन से बेरुखी का मिल रहा था फायदा:- कोरोना काल में चीन से बेरुखी के बाद भारत को फायदा मिला। यूरोपीय देशों से टैक्सटाइल के ऑर्डर की संख्या पानीपत में बढ़ी। इससे हजारों करोड़ रुपए के ऑर्डर पानीपत को मिले, लेकिन अब युद्ध ने इस गति को धीमा किया है।

ग्लोबलाइजेशन में हर देश एक दूसरे पर निर्भर:- पानीपत रंग रसायन ट्रेडर्स एसोसिएशन के प्रधान संजीव मनचंदा का कहना है कि युद्ध से अन्य देशों से माल लाने और ले जाने पर असर पड़ेगा। इसका यूरोपियन के साथ-साथ एशियन देशों पर भी असर पड़ेगा। ग्लोबलाइजेशन में हर देश एक दूसरे पर निर्भर है। निर्यात उद्योगों को नुकसान होने पर घरेलू मार्केट भी प्रभावित होगी। निर्यातकों के बहुत से उद्योग उत्पाद बनाते हैं। वे निर्यातक उद्योगों पर ही निर्भर हैं। ऐसे में अगर नुकसान हुआ तो निर्यातकों को भी हानि उठानी पड़ेगी, इसका असर इंडस्ट्री के हर वर्ग पर पड़ेगा।

न्यूज ब्रीफ

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़, 2 आतंकी ढेर

जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले के अमशीपोरा इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हो रही है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जानकारी दी है कि इस मुठभेड़ में अब तक 2 आतंकवादी मारे गए हैं। इनके पास से हथियार, गोला-बारूद सहित आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई है। पुलिस और सुरक्षाबल एक साथ ऑपरेशन को अंजाम दे रहे हैं। इलाके में तलाशी अभियान जारी है।

अमेरिका ने पाकिस्तान के नेशनल बैंक पर लगाया 414 करोड़ का जुर्माना, एंटी मनी लॉन्ड्रिंग केस में हुआ एक्शन

वाशिंगटन। अमेरिका ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दोषी करार देते हुए पाकिस्तान नेशनल बैंक पर 55 मिलियन डॉलर (414 करोड़ रुपए) का जुर्माना ठोका है। अमेरिका ने यह जुर्माना ऐसे वक्त में लगाया है, जब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान यूक्रेन-रूस में जंग के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलने मास्को पहुंचे है।

रूसी हमला और साइरन के बीच कपल ने रचाई शादी, कहा-

कल किसने देखा! पुतिन ने तोड़ दिए सपने

कीव

यूक्रेन के एक कपल ने कभी सोचा भी नहीं था कि उनकी शादी मधुर संगीत के बजाय एयर अटैक साइरन के बीच होगी। गुरुवार को जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया तब पूरे देश में अफरा-तफरी मच गई। हर शख्स अपनी जान बचाने के लिए भागने लगा लेकिन यारिना अरीवा और सियावातोस्लाव फुर्सिन ने आसमान में मंडराते विमानों के बीच एक-दूसरे से शादी करने का फैसला लिया। कीव स्थित सेंट माइकल्स मोनास्ट्री में शादी करने वाली अरीवा ने सीएनएन से बात करते हुए कहा कि, %यह बहुत भयावह था।% एयर अटैक साइरन के बीच शादी के बाद अरीवा ने कहा कि यह आपकी जिंदगी का सबसे खुशनुमा पल होता है लेकिन जब आप बाहर जाते हैं तो आपको साइरन सुनाई पड़ते हैं। इस जोड़े ने अपनी शादी के लिए 6 मई का दिन तय किया था। उन्होंने बताया कि हमने नदी के किनारे एक रेस्तरां की छत पर इसका जश्न मनाने का सोचा था। 21 वर्षीय अरीवा का सपना अपनी शादी को खूबसूरत लाइट्स और अपने साथी के साथ बेहद खास बनाने का था। लेकिन गुरुवार को जब पुतिन ने रूस पर सैन्य अभियान का आदेश दिया तब उनके सारे सपने चूर-चूर हो गए।

दुबई में आयोजित एक भव्य समारोह में 'म्यूजियम ऑफ द फ्यूचर' का उद्घाटन किया गया जिसे दुनिया की सबसे सुंदर इमारत% कहा जा रहा है। इस भवन को बनाने में नौ साल का वक्त लगा है। यह सात मंजिला इमारत 77 मीटर ऊंची है और 30 हजार वर्ग मीटर में इसका निर्माण हुआ है। यह विश्व की सबसे ऊंची इमारत बुर्ज खलीफा से कुछ ही दूरी पर स्थित है।

बाइडेन ने 5 बड़े रूसी बैंकों के तमाम एसेट्स फ्रीज किए ब्रिटेन रूस की 100 कंपनियों पर प्रतिबंध लगाएगा

यूक्रेन

यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद दुनिया भर के देशों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और ब्रिटिश पीएम बोरिस जॉनसन ने रूस पर और ज्यादा प्रतिबंध लगाने का ऐलान किया है। जो बाइडेन ने रूस को धमकी देते हुए कहा है कि उसे यूक्रेन पर हमले की गंभीर कीमत चुकानी होगी। वहीं, ब्रिटिश PM ने संसद को संबोधित करते हुए कहा, पुतिन ने अपने हाथ यूक्रेन के मासूम लोगों के खून से रंग लिए हैं, यह दाग कभी साफ नहीं किए जा सकेंगे। त्न-7 देश मिलकर रूस को जवाब देंगे अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने व्हाइट हाउस के संबोधन में कहा- व्लादिमीर पुतिन से बातचीत का कोई इरादा नहीं है। रूस के राष्ट्रपति ने युद्ध को चुना है और अब वह इसका परिणाम भुगतेंगे। हम त्न-7 देश मिलकर रूस को जवाब देंगे। ङ्कञ्जक्च सहित रूस के 4 और बैंकों पर प्रतिबंध लगाए जाएंगे। इन बैंकों के तमाम एसेट्स फ्रीज कर दिए गए हैं। इसके साथ ही रूस के आधे से ज्यादा हाई टेक इंपोर्ट पर रोक लगा दी जाएगी। जो बाइडेन ने रूसी पहले को पूर्व नियोजित हमला बताते हुए कहा- द्गश्वह्व के सभी देशों को हमारा समर्थन जारी रहेगा। यह हम सभी के लिए संकट का समय है। पुतिन सोवियत संघ को फिर से जिंदा करना चाहते हैं, लेकिन उनकी यह महत्वकांक्षा वर्तमान हालातों के एक दम उलट है। हालांकि, बाइडेन साफ कर चुके हैं कि NATO सेना यूक्रेन नहीं जाएंगी। बकौल बाइडेन- अब रूस कमजोर और बाकी दुनिया मजबूत होगी। रूस का फाइनेंशियल सिस्टम अब डॉलर, यूरो, पाउंड या येन में पहले की तरह कारोबार नहीं कर सकेगा। उसके मिलिट्री सिस्टम को भी नुकसान होगा। रूसी बैंकों के करीब एक लाख करोड़ डॉलर के एसेट्स अब होल्ड किए जा रहे हैं। बाइडेन ने यह भी कहा कि हम यूक्रेन संकट पर भारत के साथ विचार-विमर्श करेंगे। ब्रिटिश प्राइम मिनिस्टर बोरिस जॉनसन ने गुरुवार देर रात रूस-यूक्रेन युद्ध के मसले पर संसद को संबोधित किया। जॉनसन ने पुतिन को आड़े हाथ लेते हुए कहा- उन्होंने घरेलू नाकामी छिपाने के लिए जंग शुरू की है। पुतिन ने अपने हाथ यूक्रेन के मासूम लोगों के खून से रंग लिए हैं, यह दाग कभी साफ नहीं किए जा सकेंगे।

रूस पैलेडियम देने वाला सबसे बड़ा देश

इसी से फोन का सर्किट और कार का एग्जॉस्ट होता है तैयार, अब स्मार्टफोन की कीमतों पर होगा असर

नई दिल्ली

रूस और यूक्रेन के युद्ध का असर भारत में भी दिखने लगा है। एक तरफ जहां शेयर बाजार लगातार धराशाई हो रहा है। तो क्रूड ऑयल की कीमतें भी आसमान छूने लगी हैं। भले ही इसका असर अभी पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर नहीं दिख रहा हो, लेकिन जल्दी कीमतें बढ़ने के आसार हैं। इधर पैलेडियम की कीमत में भी तेजी इजाफा होने लगा है। पैलेडियम का सबसे ज्यादा प्रोडक्शन रूस में होता है। इसका इस्तेमाल पेट्रोल और हाइब्रिड गाड़ियों के एग्जॉस्ट, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रिक इक्युपमेंट्स, डेंटल ट्रीटमेंट, ज्वैलरी में भी होता है। ऐसे में रूस-यूक्रेन युद्ध से पैलेडियम से जुड़ी चीजों पर क्या असर होगा, आइए जानते हैं। पैलेडियम चमकने वाला व्हाइट मेटल है। ये प्लैटिनम, रुथेनियम, रोडियम, ओस्मियम, इरीडियम वाले ग्रुप का हिस्सा है। ये रूस और दक्षिण अफ्रीका में भारी मात्रा में पाया जाता है। इसे प्लैटिनम और निकल के एक बाइप्रोडक्ट की तरह निकाला जाता है। ये दुनिया की सबसे कीमती धातुओं में सबसे ऊपर है। इसकी बड़ी वजह इस मेटल की कमी है। गाड़ियों से होने वाले कार्बन उत्सर्जन को लेकर सभी देशों की सरकार सख्त हो रही हैं। ऐसे में इस मेटल की डिमांड में तेजी आई है। हालांकि, पैलेडियम की सप्लाई और मांग में बड़ा अंतर है। यही वजह है कि इसकी कीमत सोना और प्लैटिनम से भी ज्यादा है। मेटल की लाइव कीमत को ट्रैक करने वाली फर्म किटको के मुताबिक, आज पैलेडियम के प्रति ग्राम की कीमत 6,188 रुपए है। इसके प्रति तोला यानी 10 ग्राम की कीमत 72,184 रुपए है। वहीं, प्रति किलो की कीमत 6,188,797 रुपए है। दूसरी तरफ, आज सोने का भाव प्रति 10 ग्राम 51,419 रुपए है। वहीं, प्लेटिनम के प्रति 10 ग्राम की कीमत 35,180 रुपए है। पेट्रोल और हाइब्रिड गाड़ियों के एग्जॉस्ट में इस्तेमाल होने वाले कैटेलिटिक कनवर्टर पैलेडियम से तैयार किए जाते हैं। 2009 में पहली बार पेट्रोल गाड़ियों की बिक्री डीजल गाड़ियों के मुकाबले बढ़ गई थी। 80त्न पैलेडियम का इस्तेमाल कार्बन मोनोक्साइड, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड जैसी जहरीली गैसों को नाइट्रोजन, कार्बन डाईऑक्साइड जैसी कम नुकसानदेह गैसों में बदलने के लिए किया जाता है।

न्यूज़ ब्रीफ

बुरे फंसे ऋद्धिमान साहा

बीसीसीआई पूछताछ कर सकता है, कोच द्रविड़ और सौरव गांगुली की बातें सार्वजनिक करने पर एक्शन की तैयारी

नई दिल्ली। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर किए जाने के बाद ऋद्धिमान साहा लगातार खबरों में बने हुए हैं। पहले उन्होंने BCCI अध्यक्ष सौरव गांगुली और राहुल द्रविड़ पर टीम में नहीं चुने जाने को लेकर कई आरोप लगाए और दोनों से हुई बातचीत को सार्वजनिक कर दिया। अब BCCI उनकी मुश्किलें बढ़ा सकता है। सौरव गांगुली और राहुल द्रविड़ से हुई बातचीत सार्वजनिक करने के मामले में उनसे सवाल किए जा सकते हैं। साहा अभी BCCI की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में शामिल हैं और उनका यह बयान बोर्ड के प्रोटोकॉल का उल्लंघन है। साहा सालाना सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में ग्रुप बी में हैं। कॉन्ट्रैक्ट के नियम 6.3 के अनुसार कोई भी खिलाड़ी खेल अधिकारियों, खेल में हुई घटनाओं, टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल, टीम को लेकर सेलेक्शन प्रोसेस या खेल से संबंधित किसी भी अन्य मामले के बारे में कोई भी टिप्पणी नहीं कर सकता है।

BCCI ट्रेजरर अरुण धूमल ने इस मामले में कहा, 'इस बात की संभावना है कि क्च्य्यद्ध रिद्धिमान से पूछ सकती है कि एक कॉन्ट्रैक्ट क्रिकेटर होने के नाते उन्होंने चयन के मामलों पर कैसे बात की। जहां तक अध्यक्ष सौरव गांगुली का सवाल है, उन्होंने साहा को खेलने के लिए प्रेरित करना चाहा था। बोर्ड शायद यह जानना चाहेगा कि आखिर किस वजह से उन्होंने बंद कमरे में कोच राहुल द्रविड़ से हुई बातचीत को सार्वजनिक किया। हम इस बारे में उनसे कैसे सवाल करेंगे अभी तक इस मामले पर फैसला नहीं किया है। सभी व्यस्त हैं, लेकिन कुछ दिनों में इस पर फैसला हो जाएगा। राहुल द्रविड़ को लेकर साहा ने कहा था, रणजी ट्रॉफी में मैं इसलिए इस साल हिस्सा नहीं ले रहा हूं क्योंकि मुझसे कहा गया है कि टीम इंडिया के लिए अब मेरे नाम पर विचार नहीं किया जाएगा। साथ ही कोच द्रविड़ ने मुझे संन्यास लेने की सलाह दी थी।

गांगुली ने किया झूठा वादा

साहा ने भारत के पूर्व कप्तान और BCCI अध्यक्ष सौरव गांगुली पर भी निशाना साधा था। साहा के अनुसार गांगुली ने उन्हें आश्वासन दिया था कि उन्हें टीम इंडिया में अपनी जगह को लेकर चिंता नहीं करनी चाहिए। जब साहा ने कानपुर में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए टेस्ट मैच में दर्द की दवा लेकर नाबाद 61 रन बनाए थे तो दादा ने उन्हें मैसेज कर के बधाई भी दी थी। साहा के अनुसार गांगुली ने उनसे कहा था कि जब तक वो BCCI के अध्यक्ष हैं उन्हें किसी भी चीज को लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं हैं। बोर्ड अध्यक्ष से इस तरह की बात सुनकर साहा का आत्मविश्वास काफी बढ़ गया था, लेकिन अब साहा का कहना है कि वो अब इस बात को समझ नहीं पा रहे हैं कि इतनी जल्दी सब कुछ कैसे बदल गया। उनके साथ झूठा वादा किया गया था।

यूक्रेन पर हमले के बाद भारतीय खिलाड़ी परेशान : पैरालिंपिक मेडल विजेता शरद कुमार ने कोच को किया फोन, बोले- बम की आवाज हर तरफ थी

नई दिल्ली

यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद पूरे विश्व में अफरा-तफरी का माहौल है। खेल पर भी इसका बहुत असर पड़ रहा है। यूक्रेन के कई खिलाड़ी व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ उतर आए हैं और वो रूस के राष्ट्रपति का विरोध भी कर रहे हैं। भारतीय खिलाड़ी भी यूक्रेन पर हुए हमले के कारण परेशान हैं। दरअसल, टोक्यो पैरालिंपिक 2020 में भारत के लिए हाई जम्प में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले शरद कुमार के कोच यूक्रेन से हैं।

यूक्रेन के खिलाड़ी भी कर रहे हैं विरोध

यूक्रेन के फुटबॉल खिलाड़ी रोमन यारेनचुक ने बुधवार श्वस्न चैंपियंस लीग में बेनफिका के खिलाफ गोल कर मैच को ड्रॉ कराया। गोल करने के बाद उन्होंने अपनी टी-शर्ट उतारकर एक मैसेज दिया। यारेनचुक ने यूक्रेन का त्रिशूल अपनी टी-शर्ट के अंदर पहन रखा था। उन्होंने अपने देश के समर्थन में नारे भी लगाए।

शरद ने कोच को लगाया फोन

शरद कुमार के कोच निकिटिन यूक्रेन के खार्किव में रहते हैं, जिसे शरद अपना दूसरा घर मानते हैं। निकिटिन पिछले 5 साल से उनके कोच हैं। जैसे ही रूस ने खार्किव में अटैक किया, शरद को कोच की चिंता होने लगी। उन्होंने निकिटिन से फोन पर बात भी की। शरद ने ट्वीट कर लिखा- मैंने यूक्रेन के खार्किव में अपने कोच से बात की है। वह बहुत परेशान हैं। वह अपने घर से बमों की आवाज सुन रहे हैं। वह अपने अंडरग्राउंड गैराज में शिफ्ट होने के बारे में सोच रहे हैं।

रूस के खिलाड़ी ने भी किया विरोध

फुटबॉल प्लेयर स्मोलोव पहले रूसी खिलाड़ी है, जिन्होंने रूस के यूक्रेन हमला का विरोध किया है। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर उन्होंने एक ब्लैक फोटो शेयर की कैप्शन देते हुए लिखा- युद्ध न हो...

जर्मन चैंपियन ने किया रेस में भाग लेने से मना

जर्मन के फॉर्मूला वन रेसिंग चैंपियन सेबेस्टियन वेटेल ने कहा है कि वह यूक्रेन में रूस द्वारा चल रहे हमलों के कारण इस साल फॉर्मूला वन के रूसी ग्रांड प्रिक्स में भाग नहीं लेंगे। चार बार के फॉर्मूला वन चैंपियन ने कहा, %गुरुवार सुबह की खबर देखकर मैं हैरान रह गया था। मुझे लगता है कि यह सब भयानक है। अगर आप हमारे कैलेंडर को देखें तो रूस में मुझे एक रेस में भाग लेना है, लेकिन अब मैं नहीं जाऊंगा। मुझे लगता है कि वहां के रेस में भाग लेना गलत होगा। मैनें अपना फैसला ले लिया है।

जोकोविच की बादशाहत खत्म

दुबई ओपन क्वार्टर फाइनल में हारने के बाद नंबर वन से हटे, डेनियल मेदवेदेव नोवाक की जगह लेंगे

सर्बिया

सर्बिया के नंबर वन खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को दुबई ओपन के क्वार्टर फाइनल में वर्ल्ड रैंकिंग में 123वें नंबर के खिलाड़ी ने जीरी वेसली ने 6-4, 7-6 (7/4) से हरा दिया। इस हार के हाथ ही जोकोविच अब वर्ल्ड नंबर वन टेनिस खिलाड़ी नहीं रहे। अब उनकी जगह रूस के डेनियल मेदवेदेव लेंगे। जोकोविच की हार का फायदा मेदवेदेव को हुआ है। जो अब विश्व के नए नंबर एक खिलाड़ी बन गए हैं। 28 फरवरी को जब नई ॅझ्क्क रैंकिंग जारी की जाएगी तो मेदवेदेव पहले स्थान पर आ जाएंगे। जोकोविच 2020 के बाद पहली बार ॅझ्क्क रैंकिंग में पहले स्थान से बाहर हुए हैं। वह लगभग 361 हफ्तों तक विश्व नंबर एक बने रहे। मेदवेदेव के नंबर वन बनने के साथ ही 2 फरवरी 2004 के बाद से पुरुष टेनिस रैंकिंग में %बिग फोर% की जगह कोई और खिलाड़ी आया है। इतने दिनों तक बिग फोर में रोजर फेडरर, राफेल नडाल, एंडी मरे और नोवाक जोकोविच का कब्जा रहा। अब इन चारों के अलावा एक नया चेहरा विश्व रैंकिंग का सबसे बड़ा चेहरा होगा। मेदवेदेव ने पिछले साल ही जोकोविच को स ओपन फाइनल में हराकर अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। वहीं, पिछले महीने ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में उन्हें नडाल से हार मिली थी।

21वें ग्रैंड स्लैम के इंतजार में जोकोविच

जोकोविच अब तक 20 ग्रैंड स्लैम खिताब जीत चुके हैं। इस साल हुए ऑस्ट्रेलियन ओपन के पहले तक सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम जीतने के मामले में वह राफेल नडाल और रोजर फेडरर के साथ टॉप पर थे। अब राफेल नडाल 21 ग्रैंड स्लैम के साथ इस लिस्ट में पहले नंबर पर आ गए हैं। जोकोविच को ऑस्ट्रेलिया ओपन खेलने की इजाजत नहीं मिली थी। वे दसवां ऑस्ट्रेलियाई ओपन खिताब जीतने का ख्वाब लेकर ऑस्ट्रेलिया पहुंचे थे। अभी हाल ही में नोवाक जोकोविच ने BBC को दिए गए एक इंटरव्यू में कहा था कि वह किसी भी स्थिति में कोरोना की वैक्सीन नहीं लगवाएंगे। इसी कारण वह ऑस्ट्रेलिया ओपन में नहीं खेल पाए थे।

ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने सिडनी थंडर टीम छोड़ी

सिडनी

ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने शुक्रवार को पारिवारिक कारणों से बिग बैश लीग (बीबीएल) फ्रेंचाइजी सिडनी थंडर से अपना नाता तोड़ लिया। ख्वाजा ने एक बयान में कहा, 'मैंने जो निर्णय लिया है, मैं उसके बारे में बात नहीं करना चाहता। एक क्रिकेटर के रूप में मैंने यह सबसे कठिन फैसला किया है, क्योंकि सिडनी थंडर, उसके खिलाड़ी, कोचिंग और सपोर्ट स्टाफ मेरे लिए बहुत मायने रखते हैं। इसके पीछे पारिवारिक कारण हैं और अब जब मैं इसे छोड़ रहा हूं तो जो लोग मुझे जानते हैं वे समझते हैं कि मेरे दिल का एक बड़ा हिस्सा हमेशा थंडर के साथ रहेगा। मैं नहीं चाहता कि लोग सोचें कि मैंने सिडनी थंडर के साथ अपने संबंध तोड़ लिए हैं, क्योंकि मैं हमेशा क्लब, खिलाड़ियों और पूरे संगठन की परवाह करूंगा।% उल्लेखनीय है कि 35 वर्षीय ख्वाजा ने 2011 में बीबीएल की शुरुआत के बाद से सिडनी थंडर में रहते हुए 59 मैचों में 1818 रन बनाए हैं। क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स (सीएनएसडब्ल्यू) के प्रमुख माइकल क्लिंगर ने इस बारे में कहा, 'यह निराशाजनक है, क्योंकि उस्मान थंडर के काफी माननीय सदस्य हैं। सिडनी थंडर और सीएनएसडब्ल्यू निश्चित रूप से चाहते थे कि वह हमारे साथ बने रहें और हमने उन्हें एक अत्यधिक प्रतिस्पर्धी अनुबंध की पेशकश की। हम उस्मान द्वारा अपने परिवार के लिए किए गए इस फैसले की सराहना करते हैं और इसका सम्मान और समर्थन करते हैं।

जेवरेव पर लगा 40 हजार डालर का जुर्माना, पुरस्कार राशि और रैंकिंग अंक भी गंवाए

अकापुल्को (मैक्सिको)

टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता अलेक्सांद्र जेवरेव पर मैक्सिको ओपन में युगल मैच गंवाने के बाद अंपायर की कुर्सी पर रैकेट मारने के कारण पुरुषों के पेशेवर टेनिस टूर (एटीपी) ने 40 हजार डॉलर का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा उनकी 30 हजार डॉलर से अधिक की पुरस्कार राशि और सभी रैंकिंग अंक भी काट दिए गए हैं। एटीपी ने इसके साथ ही घोषणा की कि वह इस घटना की आगे समीक्षा करेगा। जेवरेव अभी विश्व रैंकिंग के तीसरे नंबर के खिलाड़ी हैं और मैक्सिको ओपन के एकल में मौजूदा चैंपियन हैं। जर्मनी के इस 24 वर्षीय खिलाड़ी को अंपायर अलेसांद्रो जरमानी पर चिल्लाने और उनकी कुर्सी पर गुस्से में रैकेट मारने के कारण पहले ही टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया था। एटीपी ने कहा कि जेवरेव पर अपशब्दों का उपयोग करने और खेल भावना के विपरीत व्यवहार करने के लिये 20-20 हजार डॉलर का जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा उन्हें एकल और युगल की अपनी संपूर्ण पुरस्कार राशि (31,570 डॉलर) और रैंकिंग अंक भी गंवाने पड़े।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहे हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle), ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

रणजी ट्रॉफी : कर्नाटक के प्रसिद्ध कृष्णा ने लिए 6 विकेट, यश धुल 5 रन बनाकर आउट

नई दिल्ली

कर्नाटक और जम्मू-कश्मीर के बीच खेले जा रहे मुकाबले में कर्नाटक के प्रसिद्ध कृष्णा ने अपनी आग उगलती गेंदों से कहर बरपा दिया है। प्रसिद्ध ने छ्र्य के खिलाफ पहली पारी में 6 विकेट लिए हैं। उन्होंने 9 गेंदों के अंदर 3 खिलाड़ियों को आउट कर पवेलियन का रास्ता दिखाया। उनकी घातक गेंदबाजी के सामने छ्र्य की टीम केवल 93 रन पर ढेर हो गई। इससे पहले कर्नाटक ने अपनी पहली पारी में 302 रन बनाए थे। करुण नायर ने शानदार बैटिंग करते हुए 175 रन की पारी खेली। कर्नाटक के लिए उन्होंने चार साल के बाद फर्स्ट क्लास क्रिकेट में शतक लगाया। छ्र्य की ओर से परवेज रसूल ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए।

शतक से चूके गनी

पिछले मैच में अपने रणजी डेब्यू ट्रिपल सेंचुरी का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने वाले साकिबुल गनी ने दूसरे मैच में भी शानदार खेल दिखाया। सिक्किम के खिलाफ पहली पारी में वह 135 गेंदों पर 98 रम बनाकर आउट हुए। उनके अलावा लखन राजा ने 48 रन की पारी खेली। बिहार ने अभी तक पहली पारी में 335/5 का स्कोर बना लिया है।

दूसरे मैच में धुल फ्लॉप

रणजी डेब्यू की दोनों पारियों में शतक लगाने वाले दिल्ली के यश धुल अपने दूसरे मैच में कुछ कमाल नहीं दिखा सके। धुल झारखंड के खिलाफ पहली पारी में 5 रन बनाकर आउट हुए। उनके अलावा ध्रुव शोरे 25 और हिम्मत सिंह ने 43 रन बनाए। इससे पहले झारखंड ने अपनी पहली पारी में 251 रन बनाए थे। झारखंड के लिए कप्तान विराट सिंह ने 103 की शतकीय पारी खेली थी। वहीं, दिल्ली के लिए नवदीप सैनी और विकास मिश्रा ने 3-3 विकेट लिए।

न्यूज ब्रीफ

भारतपे के निवेशकों ने अशनीर की पेशकश ठुकराई

नई दिल्ली। भारतपे के प्रमुख निवेशकों ने सह-संस्थापक अशनीर ग्रोवर की कंपनी में अपनी 9.5 फीसदी हिस्सेदारी 4,000 करोड़ रुपये में बेचने की पेशकश ठुकरा दी। ग्रोवर ने कंपनी छोडऩे के एवज में इस कीमत पर हिस्सेदारी बिक्री की शर्त रखी थी। ऐसा लगता है कि ग्रोवर ने इस भुगतान कंपनी का मूल्य करीब 6 अरब डॉलर आंका है, जो कंपनी द्वारा पिछले साल अगस्त में जुटाई गई धनराशि के बाद के मूल्यांकन 2.8 अरब डॉलर से काफी अधिक है। हालांकि कंपनी इस साल जनवरी में करीब 4 अरब डॉलर के मूल्यांकन पर और पूंजी जुटाने की योजना बना रही थी। निवेशकों और ग्रोवर के बीच झगड़ा कल और बढ़ गया। कंपनी ने कल घोषणा की कि कथित वित्तीय अनियमितताओं को देखते हुए उसने ग्रोवर की पत्नी माधुरी जैन को बर्खास्त कर दिया है उनके स्टॉक ऑप्शन रद्द कर दिए हैं। जैन कंट्रोल्स प्रमुख थीं। कंपनी के प्रमुख निवेशकों में सिकोया कैपिटल (19.6 फीसदी हिस्सेदारी), कोटू (12.4 फीसदी), रैबिट कैपिटल (11 फीसदी), बीनेक्स्ट (9.6 फीसदी) आदि शामिल हैं। निवेशकों ने कंपनी में 70 करोड़ डॉलर से अधिक रकम लगाई है। उन्होंने पूंजी जुटाने के बाद के चरणों में कंपनी में अपनी संयुक्त रूप से हिस्सेदारी बढ़ाकर 66 फीसदी से अधिक कर ली है, जबकि संस्थापकों की हिस्सेदारी में कमी आ रही है। इस चर्चा में शामिल एक सूत्र ने कहा, निवेशक ग्रोवर के शेयर खरीदने के लिए रकम क्यों खर्च करें? उनकी अल्पांश हिस्सेदारी है और वह इसे बनाए रख सकते हैं या आईपीओ या अन्य किसी निर्गम के समय निकासी कर सकते हैं। उन्हें कंपनी के प्रदर्शन के आधार पर प्रतिफल मिलेगा। उन्होंने जो कीमत आंकी, उसका कोई मतलब नहीं है। भारतपे के प्रवक्ता ने इस पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। कंपनी पहले ही प्राइसवाटरहाउसकूपर्स (पीडब्ल्यूसी) को अपना ऑडिटर नियुक्त कर चुकी है और ऑडिट रिपोर्ट अगले सप्ताह तैयार होने की संभावना है। कंपनी के बोर्ड ने %प्रशासनिक समीक्षा% के लिए कहा है। सूत्रों का कहना है कि भारतपे में अशनीर ग्रोवर के भविष्य का अंतिम फैसला निवेशक और बोर्ड ऑडिट रिपोर्ट आने के बाद लेंगे। ग्रोवर तीन महीने के स्वैच्छिक अवकाश पर गए हुए हैं। कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक भारतपे हर महीने 5 करोड़ से अधिक यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) लेनदेन की प्रोसेसिंग कर रही है। इसके सालाना थर्ड पार्टी वेरिफिकेशन (टीपीवी) 7 अरब डॉलर से अधिक हैं। इसका देश के 35 शहरों में 50 लाख कारोबारियों का व्यापक नेटवर्क है।

सट्टेबाजी ग्रुप पर आईटी के छापे-ऑनलाइन गेमिंग ग्रुप ने हवाला चैनलों के जरिए 600 करोड़ रुपए उड़ाए, 29 जगह पर तलाशी हुई

नई दिल्ली

ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी ग्रुप पर अपनी हालिया इन्वेस्टिगेशन में आयकर डिपार्टमेंट (ढ्ढञ्ज) ने 600 करोड़ रुपए के कैश ट्रांजैक्शन का खुलासा किया है। आईटी डिपार्टमेंट की मुंबई इन्वेस्टिगेशन विंग ने इस महीने की शुरुआत में गेम किंग प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े 29 जगह पर कर चोरी के संदेह में तलाशी ली है। जो मुंबई, दिल्ली, सूरत और जयपुर शहर में हुई।

एजेंटों और एरिया मैनेजर के नेटवर्क ग्रुप ने कई लोगों से कैश जमा कराए

सर्च ऑपरेशन से पता चला है कि ये ग्रुप गुपचुप तरीके से काम रहा था और इन्होंने लॉ एनफोर्समेंट एजेंसियों से अपने काम और इनकम को भी छुपाया। इन्वेस्टिगेशन से पता चला कि कई शहरों में काम करने वाले एजेंटों और एरिया मैनेजर के वाइड नेटवर्क वाले ग्रुप ने एक बड़े ग्राहक समूह से कैश जमा किए। ये वे ग्राहक हैं जो निजी ऑपरेटरों से क्लाउड सर्वर पर होस्ट की गई वेबसाइट्स का इस्तेमाल करते हैं।

कैश लेकर अकाउंट में पॉइंट जमा करते थे

इसके बाद इस कैश को हवाला नेटवर्क के जरिए अपने ग्रुप के मुंबई मुख्यालय में भेज दिया जाता था। साथ ही ग्राहकों से कैश लेने के बाद उनके अकाउंट में पॉइंट जमा किया करते थे। इस कैश को हवाला चैनलों के जरिए मुंबई भेज दिया जाता था। इसके बाद इस बेहिसाब कैश को बही में अनसिक्योर्ड लोन, सिक्योरिटी प्रीमियम और कई अन्य नामों से पेश किया गया।

आईटी ने आगे कहा कि कैश को कई एंट्री ऑपरेटर से मिलने वाली डमी कंपनियों की कई लेयर के जरिए कैश दिया जाता है। डिपार्टमेंट ने 550 करोड़ रुपए से ज्यादा के शेयर को कुर्क किया है और 30 बैंक अकाउंट को भी जब्त किया गया है।

एबीजी शिपयार्ड धोखाधड़ी

23 हजार करोड़ के घोटाले में सीबीआई ने कई बैंक अधिकारियों से की पूछताछ, 28 बैंक ने दिए हैं कर्ज

नई दिल्ली

सूरत की कंपनी एबीजी शिपयार्ड से जुड़े देश के सबसे बड़े बैंक धोखाधड़ी मामले में चल रही जांच के सिलसिले में करीब आधा दर्जन बैंक अधिकारियों से कड़ी पूछताछ की गई है। बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों की कंपनी को दिए गए लोन को लेकर जांच चल रही है।

शक होने के कारण पूछताछ

जानकारी के मुताबिक सीबीआई ने शक होने के मामले में यह पूछताछ की है। 28 बैंकों के एक समूह ने एबीजी शिपयार्ड को 22,842 करोड़ रुपए का कर्ज दिया था। यह कर्ज डूब गया है और कंपनी ने फंड को इधर-उधर कर दिया है। जिन लोगों से पूछताछ की गई है उनमें एक बैंक के कई अधिकारी शामिल हैं। इस बैंक ने एबीजी शिपयार्ड को ज्यादा कर्ज दिया है।

कई और अधिकारी होंगे तलब

मामले पर नजर रख रहे लोगों ने कहा है एजेंसी जल्द ही और बैंक अधिकारियों से पूछताछ करेगी। इस बीच सीबीआई एबीजी शिपयार्ड के पूर्व अध्यक्ष ऋषि अग्रवाल से पूछताछ जारी रखे हुए है। गुरुवार को उन्हें तीसरी बार तलब किया गया था। इससे पहले अग्रवाल से सोमवार और मंगलवार को हर दिन 9 घंटे से अधिक समय तक कड़ी पूछताछ की जा चुकी है।

फॉरेंसिक ऑडिट के आधार पर सवाल

सीबीआई ने अग्रवाल से ऑडिट कंपनी अर्नेस्ट एण्ड यंग द्वारा बैंक कंसोर्टियम को दी गई फॉरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट के आधार पर कड़े सवालों पर जवाब मांगा है। इसके आधार पर समूह के बैंकों में से एक ने एफआईआर दर्ज करने के लिए सीबीआई से संपर्क किया था। गौरतलब है कि फॉरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट जनवरी 2019 में दी गई थी। अर्नेस्ट एण्ड यंग की रिपोर्ट ने कंपनी और उसके निदेशकों द्वारा बैंकों से उधार लिए गए लोन के कई संभावित डायवर्जन के बारे में जानकारी दी थी। इस सप्ताह की शुरुआत में रिपोर्ट आई थी कि कंपनी में चार स्वतंत्र निदेशकों की भूमिका भी जांच एजेंसियों की जांच के दायरे में है।

स्वतंत्र निदेशकों से भी होगी पूछताछ

सीबीआई इन स्वतंत्र निदेशकों से भी पूछताछ करने वाली है। किसी भी कंपनी में स्वतंत्र निदेशक भी गड़बड़ियों के लिए जिम्मेदार होते हैं। बता दें कि एबीजी शिपयार्ड कंपनी जहाज के निर्माण और मरम्मत का काम करती है। इसके शिपयार्ड गुजरात के दहेज और सूरत में स्थित हैं। स्नद्बक्र के मुताबिक यह घोटाला अप्रैल 2012 से जुलाई 2017 तक का है। इस घोटाले को बैंकिंग फ्रॉड में अब तक का सबसे बड़ा घोटाला कहा जा सकता है, क्योंकि यह नीरव मोदी से भी बड़ा घोटाला है।

आईसीआईसीआई बैंक के 7,089 करोड़ रुपए हैं

एसबीआई के डीजीएम की शिकायत के मुताबिक कंपनी के पास आईसीआईसीआई बैंक के 7,089 करोड़ रुपए, आाईबीआई बैंक के 3,634 करोड़ रुपए, एसबीआई को 2,468 करोड़ रुपए, बैंक ऑफ बड़ौदा के 1,614 करोड़ रुपए, पंजाब नेशनल बैंक के 1,244 करोड़, इंडियन ओवरसीज बैंक के 1,228 करोड़ रुपए और एलआईसी को 136 करोड़ रुपए का नुकसान शामिल है।

आर्थिक प्रभावों पर सरकार चौकस

नई दिल्ली

यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद भारत सरकार भी चौकन्नी हो गई है। इस घटनाक्रम पर विचार के लिए गुरुवार को सरकार के आला अधिकारियों ने बैठक की जिसमें भारत के सामने उपलब्ध विकल्पों पर चर्चा की गई। शुक्रवार और शनिवार को भी यह बैठक जारी रहेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को एक कार्यक्रम में कहा कि वह रूस-यूक्रेन मसले पर प्रधानमंत्री के साथ गुरुवार शाम को चर्चा करेंगी। हालांकि इस विषय पर उन्होंने विस्तार से कुछ नहीं बताया मगर बिज़नेस स्टैंडर्ड को सूत्रों से पता चला है कि इस बैठक में मुख्य रूप से यूक्रेन में फंसे भारतीय लोगों को बाहर निकालने, संयुक्त राष्ट्र में भारत के रुख और जिंसों की कीमतों में वृद्धि से भारत पर होने वाले आर्थिक प्रभावों पर चर्चा होगी। इन बैठकों की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। इन बैठकों में वित्त मंत्री के अलावा विदेश मंत्री एस जयशंकर, कैबिनेट सचिव राजीव गाबा और विभिन्न मंत्रालयों के आला अधिकारी भाग ले रहे हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, %यूक्रेन में करीब 20,000 भारतीय है। सरकार उन्हें वहां से सुरक्षित निकालने को प्राथमिकता दे रही है।% रूसी सेना के आक्रमण के बाद यूक्रेन की सरकार ने मार्शल लॉ लगाने की घोषणा की है। इस बीच, ऐसी खबरें आ रही थीं कि प्रधानमंत्री मोदी रूसी राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन से गुरुवार शाम बातचीत करेंगे। यूक्रेन पर आक्रमण के बाद वहां की सरकार ने हवाई मार्ग बंद कर दिए हैं और इस वजह से एयर इंडिया का एक विमान आधे रास्ते से ही लौट आया।

एनएसई को-लोकेशन स्कैम में आनंद सुब्रमण्यम की पहली गिरफ्तारी, कई और हो सकते हैं गिरफ्तार

नई दिल्ली

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ग्रुप के पूर्व ऑपरेटिंग ऑफिसर आनंद सुब्रमण्यम को सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन ने गुरुवार देर रात को गिरफ्तार कर लिया है। सीबीआई ऑफिसर के मुताबिक उनकी गिरफ्तारी एनएसई को-लोकेशन स्कैम को लेकर हुई। एनएसई पर कुछ साल पहले हुए इस घोटाले में यह अभी तक की पहली गिरफ्तारी है। बताया जा रहा है कि आनंद सुब्रमण्यम को उसके चेन्नई वाले घर से गिरफ्तार किया गया। उसे दिल्ली स्थित सीबीआई मुख्यालय ले जाने की तैयारी है, जिसके बाद हिरासत के लिए उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा।

को-लोकेशन स्कैम में हो रही जांच एनएसई को-लोकेशन स्कैम में सीबीआई आनंद सुब्रमण्यम से भी पूछताछ कर रही थी। वह जांच एजेंसी के साथ सहयोग नहीं कर रहा था और सीबीआई अज्ञात योगी और चित्रा के बीच ईमल पर हुई बातचीत के बारे में ज्यादा जानकारी चाह रही थी, लेकिन आनंद सही से इस बारे में नहीं बता रहा था। आनंद सुब्रमण्यम को पहली बार 2013 में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में मुख्य स्ट्रैटेजिक एडवाइजर के रूप में अपॉइंट किया गया था। इसके बाद MD चित्रा रामकृष्ण ने 2015 में एनएसई के ग्रुप ऑपरेटिंग ऑफिसर के रूप में प्रमोट किया गया था। 2016 में अनियमितताओं के आरोप लगने के बाद उन्होंने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज छोड़ दिया।

मार्च में बैंकिंग हॉलिडे : महाशिवरात्रि के दिन से शुरू होगी छुट्टी

नई दिल्ली

मार्च महीने में देश में दो बार ऐसी छुट्टियां बैंकों की होंगी, जब अधिकतर इलाके में बैंक बंद रहेंगे। इसकी शुरुआत एक मार्च से होगी। उस दिन शिवरात्रि है। शिवरात्रि के दिन कुछ इलाकों को छोड़कर अधिकतर राज्यों में बैंक बंद रहेंगे। इसी के साथ 18 मार्च को होली के दिन करीबन सभी राज्यों में बैंकों की छुट्टियां रहेंगी। यह भारत का एक बड़ा त्यौहार माना जाता है। कुछ एकाध इलाकों में हालांकि इस दिन भी बैंक चालू रहेंगे।

चौथी तिमाही का आखिरी महीना

मार्च वित्तीय वर्ष और चौथी तिमाही का आखिरी महीना होता है। इसलिए ज्यादातर लोगों को बैंकिंग काम पड़ते हैं। नेशनल हॉलिडे के अलावा कुछ छुट्टियां राज्यों की भी होती हैं और इस दिन उस राज्य में बैंक बंद रहते हैं। इसके अलावा दूसरे और चौथे शनिवार को बैंक पूरे देश भर में बंद रहेंगे। 3 मार्च को सिक्किम में स्थानीय त्योहार की वजह से बैंक बंद रहेंगे। जबकि 4 मार्च को मिजोरम में बैंकिंग हॉलिडे रहेगा।

17 मार्च को होलिका दहन

इसी तरह से 17 मार्च को होलिका दहन की वजह से उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और झारखंड में बैंक बंद रहेंगे। 18 मार्च को होली रहेगी, इससे पूरे देश में बैंक की छुट् ?टी रहेगी। हालांकि बंगलुरू, भुवनेश्वर, चेन्नई, इंफाल, कोलकाता, तिरुवनंतपुरम और कोच्चि में बैंक चालू रहेंगे।

19 मार्च को मणिपुर और बिहार में छुट्टी

19 मार्च को ओड़ीसा, मणिपुर और बिहार में बैंक बंद रहेंगे। इस तरह से तीन दिन कई राज्यों में बैंकों की छुट्टियां रहेंगी। उसके बाद दूसरे और चौथे शनिवार को बैंकों की छुट् ?टी रहेगी। 6 मार्च, 12 मार्च, 13 मार्च, 20 मार्च और 26 मार्च के साथ 27 मार्च को पूरे देश में बैंक शनिवार और रविवार की वजह से बंद रहेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक 3 तरह की बैंक की छुट्टियां जारी करता है। इसमें निगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट, रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट हॉलिडे और बैंक क्लोजिंग ऑफ अकाउंट शामिल होते हैं। 22 मार्च को बिहार दिवस की वजह से बिहार में बैंक बंद रहेंगे। वैसे मार्च में कुल 13 दिन बैंक बंद रहेंगे। हालांकि यह राज्यों में अलग-अलग अवसरों के आधार पर बंद रहेंगे। यानी ये छुट्टियां देश भर में एक साथ नहीं होती हैं। पूरी लिस्ट देखने के लिए https://rbi.org.in/Scripts/HolidayMatri&Display.asp& इस लिंक पर जा सकते हैं।

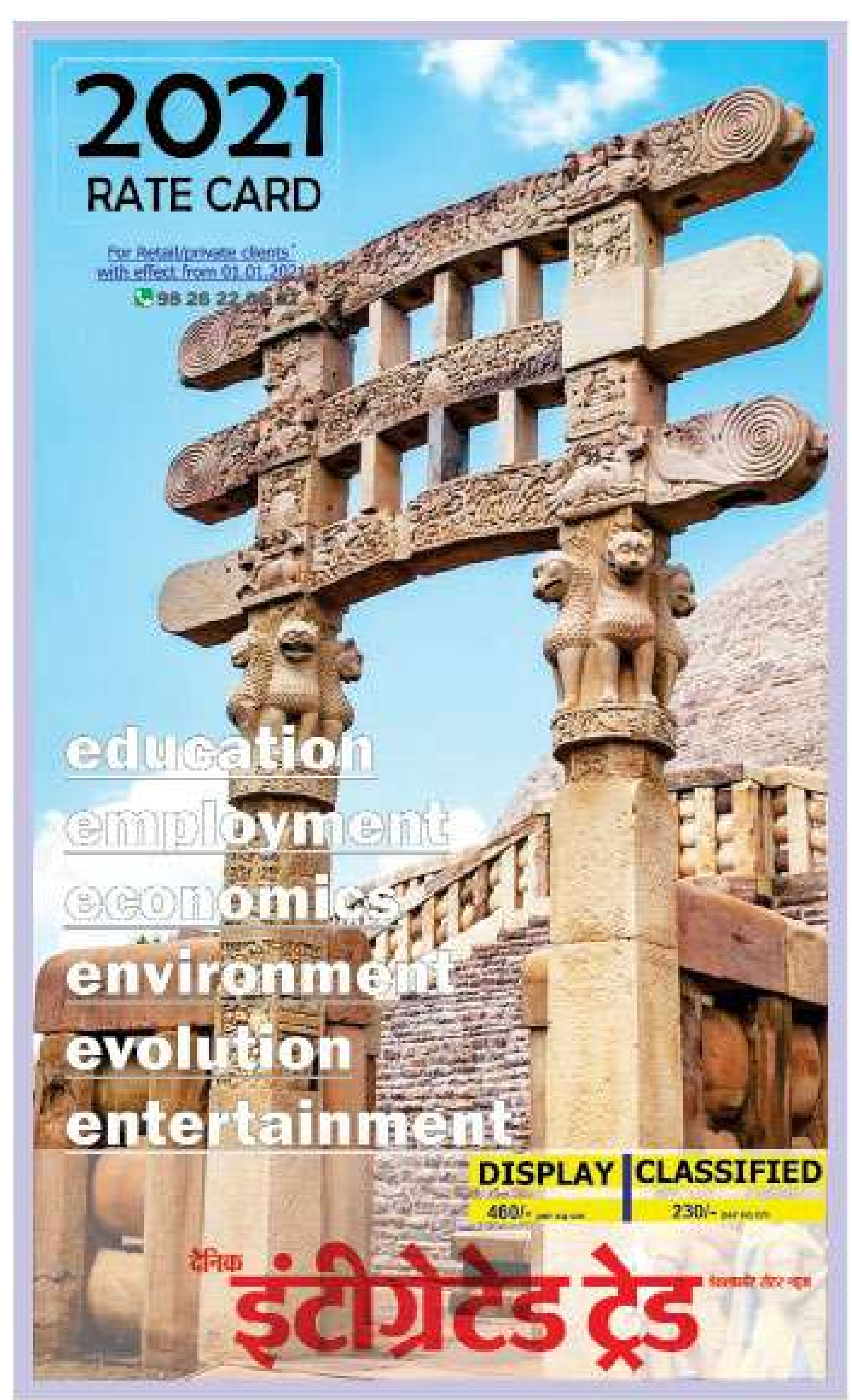

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलप सेंटर न्यूज के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलेपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91 जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र।
आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, फोन- 0755-42223334, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल होगा।)